भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 118 | मुरैना,गुरूवार 06 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

खाद की समस्या विकराल, सुबह 5 बजे से लाइन में खड़े किसान, सरकार के दावों पर उठे सवाल

पेज : 03

हिरोशिमा की राख से उठता प्रश्नः क्या मानवता परमाणु विनाश की ओर बढ़ रही है ?

पेज : 04

ग्वालियरी अग्रवाल समाज मुरार की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सुंदरकांड पाठ के साथ संपन्न

पेज : 06

भगवान परशुराम मन्दिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ सुंदरकाण्ड पाठ

पेज : 07

प्रधानमंत्री ने एनडीए के नये राज्यसभा सदस्यों से की मुलाकात, जनता से जुड़े रहने की सीख

नई दिल्ली, 05 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों के साथ नाश्ते पर बैठक की। हाल ही में अन्य दलों से एनडीए और भाजपा में शामिल हुए सांसद भी बैठक में मौजूद रहे।

इनमें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, स्वाति मालिवाल, विनोद तावड़े, सुजीत कुमार, अलका गर्जुर, अशोक मित्तल, तरुण चुग सहित कई सांसद शामिल रहे। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने सांसदों को संसद की कार्यवाही में नियमित रूप से उपस्थित रहने और सक्रिय भागीदारी निभाने की सलाह दी। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में संयम, शिष्टाचार और गरिमापूर्ण आचरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। प्रधानमंत्री ने सांसदों से सोशल मीडिया और तकनीक का उपयोग जिम्मेदारी तथा सावधानी के साथ करने को कहा। उन्होंने उन्हें 'लुटियंस दिल्ली' के प्रभाव से बचने और जनता से जुड़े रहने की सीख भी दी। बैठक के बाद कई सांसदों ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री से मुलाकात के अनुभव साझा किए। उन्होंने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन, सादगी और प्रेरणादायी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए वे पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नितिन नवीन ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि आज नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों के साथ आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सम्मिलित हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को नई गति देने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए हम सभी पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार

पटना, 05 अगस्त (हि.स.)। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच संसदीय लोकतंत्र, संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा तथा जनहित एवं राष्ट्रहित से जुड़े समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में संसदीय परंपराओं को मजबूत बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। नीतीश कुमार ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला द्वारा सदन की गरिमा, संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान, संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करने तथा जनसेवा और राष्ट्रहित के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने लोकतांत्रिक संवाद को और अधिक प्रभावी बनाने तथा

संसद की गरिमा बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई इस शिष्टाचार भेंट को भारतीय लोकतंत्र की मजबूत संसदीय परंपराओं, संवाद की संस्कृति और राष्ट्रहित के प्रति साझा संकल्प का प्रतीक माना गया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन सिंह' तथा जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कावड़ मेला हरिद्वार : बुधवार को 37 लाख से ज्यादा शिव भक्त गंगाजल लेकर गंतव्य के लिए रवाना

हरिद्वार, 05 अगस्त (हि.स.)। श्रावण मास के कांवड़ मेले में सातवें दिन शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मेले के सातवें दिन बुधवार को 37 लाख 30 हजार से अधिक कांवड़िये उत्तराखंड के हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। मेला कंट्रोल रूम में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम से बुधवार शाम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अब तक गंगाजल लेकर प्रस्थान करने वाले शिवभक्तों की कुल संख्या एक करोड़ 80 लाख 55 हजार को पार गई है। बुधवार को हर की पैड़ी सहित हरिद्वार के विभिन्न घाटों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने गंगाजल भरकर अपनी कांवड़ यात्रा शुरू की। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए कांवड़ मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस, प्रशासन तथा अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुस्तैदी से तैनात हैं। जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से निर्धारित यात्रा मार्गों का पालन करने, पुलिस एवं प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने तथा स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित कांवड़ यात्रा के संचालन में सहयोग करने की अपील की है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान नहीं करती कांग्रेसः सतीश पूनिया

नई दिल्ली, 05 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य एवं हरियाणा के प्रभारी सतीश पूनिया ने कांग्रेस पर लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरफ संविधान और लोकतंत्र की बात करती है, लेकिन दूसरी तरफ लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान नहीं करती। पूनिया ने संसद परिसर में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संसद सत्र में अभी तक एक भी दिन सदन की कार्यवाही बिना व्यवधान के नहीं चल सकी। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस वास्तव में लोकतंत्र में विश्वास करती है तो उसे सदन में रहकर बहस और चर्चा के जरिए अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बहस से भागती है, क्योंकि उसके पास अपने पक्ष का बचाव करने के लिए पर्याप्त तर्क नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इसी दोहरे रवैये की वजह से पार्टी का लगातार पतन हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के बजाय सदन की कार्यवाही से दूरी बनाने और राजनीतिक विरोध के लिए अलग रास्ता अपनाने का भी आरोप लगाया।

राज्यसभा ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक 2026 को दी मंजूरी, शीर्ष अदालत में अब न्यायधीशों की संख्या होगी 38

नई दिल्ली, 05 अगस्त (हि.स.)। संसद के उच्च सदन राज्यसभा ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। इसके साथ ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह विधेयक लोकसभा से 3 अगस्त को पारित हो चुका है। अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून का रूप ले लेगा।

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ न्यायिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है। देश में विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए जा रहे हैं और यह विधेयक भी न्यायिक सुधारों की उसी श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि महत्वपूर्ण न्यायिक सुधार है। सुप्रीम कोर्ट में बढ़ते मामलों के बोझ को देखते हुए यह कदम आवश्यक था। उन्होंने कहा कि संविधान पीठों के गठन के कारण नियमित मामलों की सुनवाई प्रभावित होती है।

हाल ही में गठित 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े मामलों के चलते अन्य मामलों की सुनवाई में देरी होती है, जिससे लंबित मामलों की संख्या बढ़ती है। इस संशोधन के तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 की जा रही है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। इससे लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। एक साथ अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी। संविधान पीठों का गठन अधिक नियमित रूप से किया जा सकेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे आम नागरिकों को समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मेघवाल ने कहा कि सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करती है और क्षेत्रीय बेंचों के मुद्दे पर सभी पक्षों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने सबरीमाला मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के गठन से अन्य मामलों की सुनवाई के लिए उपलब्ध न्यायाधीशों की संख्या कम हो जाती है। ऐसे में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से अदालत के कामकाज में सुधार होगा। महिला प्रतिनिधित्व पर बोलते हुए मेघवाल ने कहा कि देश जल्द ही पहली महिला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) देखेगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अध्यादेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक और महिला न्यायाधीश की नियुक्ति हुई है।

इससे पहले विधेयक पर राज्यसभा में चर्चा में लगभग 33 सांसदों ने भाग लिया। चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने सरकार द्वारा अध्यादेश लाने के निर्णय पर सवाल उठाया।

बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को केंद्र सरकार देगी हरसंभव आर्थिक सहायता : जेपी नड्डा

गुवाहाटी, 05 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के साथ शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों को हरसंभव आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। शिवसागर जिले के सबसे अधिक प्रभावित नेपालीखूटी क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद नड्डा ने कहा कि इस अभूतपूर्व बाढ़ ने जनजीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार को व्यापक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी तथा राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। शाम को डिब्रूगढ़ स्थित असम सचिवालय में जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें ऊपरी असम के बाढ़ हालात की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बताया गया कि शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट में आई बाढ़ का मुख्य कारण नगालैंड के मोन जिले से आया जल प्रवाह है। असम के दौरे के बाद केंद्रीय मंत्री मोन जिले का भी दौरा कर वहां की स्थिति का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि नेपालीखूटी क्षेत्र के अधिकांश लोग पशुपालन पर निर्भर हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन परिवारों के मवेशी बाढ़ में बह गए हैं, उन्हें राज्य सरकार समान संख्या में पशु उपलब्ध कराएगी।

वाराणसी में गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर में सीधे हाई स्पीड से विश्वनाथ तक पहुंच सकेंगे वाहन

नई दिल्ली, 05 अगस्त (हि.स.)। वाराणसी में 14,447.64 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 46.039 किलोमीटर लंबे छह लेन के ग्रीनफील्ड गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर से राष्ट्रीय राजमार्ग-19 (एनएच-19) से वाराणसी रिंग रोड तक तेज वाहनों का निर्बाध संचालन होगा। साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा घाट, बीएचयू, रामनगर और काशी रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थलों तक पहुंचना भी आसान हो जाएगा। इस कॉरिडोर पर वाहन 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगे, जिससे शहर में औसत यात्रा समय 60 मिनट से घटकर 20 मिनट रह जाएगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बुधवार को परियोजना की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने इस कॉरिडोर को मंजूरी दी थी। परियोजना का उद्देश्य वाराणसी और चंदौली में बढ़ते यातायात दबाव को कम करना, तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाना और शहर को आधुनिक परिवहन सुविधाओं से जोड़ना है। मंत्रालय के अनुसार, यह एक्सेस कंट्रोल छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर एनएच-19, वाराणसी रिंग रोड (एनएच-135बी), रामनगर और बीएचयू को आपस में जोड़ेगा। कॉरिडोर पर वाहनों की परिचालन गति 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इसके बनने से परियोजना क्षेत्र में औसत यात्रा समय करीब 60 मिनट से घटकर 20 मिनट रह जाएगा, जबकि एनएच-19 से काशी रेलवे स्टेशन तक पहुंचने में लगने वाला समय लगभग 50 मिनट से घटकर 25 मिनट हो जाएगा। परियोजना में गंगा नदी पर 910 मीटर लंबा केबल-स्टे पुल बनाया जाएगा। इसके अलावा 1.32 किलोमीटर लंबा एक्स्ट्राडोज्ड फुट ओवर ब्रिज बनाया जाएगा, जिसमें ट्रैवलेटर की सुविधा होगी। इससे पैदल यात्रियों को काशी विश्वनाथ मंदिर तक सुरक्षित और आसान पहुंच मिलेगी।

भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में अभ्यर्थियों का आंदोलन जारी, देवेंद्रनाथ महतो ने समाप्त किया निर्जला अनशन

रांची, 05 अगस्त (हि.स.)। झारखंड में 14वीं जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल, टीडीपीएल सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, धांधली और अनियमितताओं के विरोध में अभ्यर्थियों का आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। परीक्षाओं को रद्द कर पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती प्रणाली लागू करने की मांग को लेकर 29 जुलाई से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहा अनिश्चितकालीन सत्याग्रह लगातार जारी है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। आंदोलन के दौरान छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम परिसर में छात्र दो समूहों में आंदोलनरत रहे। एक ओर झारखंड लोकक्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्रनाथ महतो और उनके साथी महेंद्र प्रसाद आमरण अनशन

पर बैठे रहे, जबकि दूसरी ओर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने धरना-प्रदर्शन के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया। इसी दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉल के माध्यम से देवेंद्रनाथ महतो से बातचीत की। स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने महतो से पानी पीने का आग्रह किया। इसके बाद देवेंद्रनाथ महतो ने नींबू पानी ग्रहण कर निर्जला अनशन समाप्त किया। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आमरण अनशन और आंदोलन पहले की तरह जारी रहेगा तथा मांगें पूरी होने तक वह पीछे नहीं हटेंगे।

बांग्लादेश लौटने को लेकर शेख हसीना जल्द करेंगी तारीख का ऐलान, कहा-गिरफ्तारी हुई तब भी जाऊंगी

नई दिल्ली, 05 अगस्त (हि.स.)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को कहा कि वह हर हाल में अपने देश लौटेंगी, भले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी सत्ता हासिल करने के लिए नहीं बल्कि बांग्लादेश को लोकतंत्र, विकास और धर्मनिरपेक्षता के मार्ग पर वापस लाने के लिए होगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं, हालांकि अंतिम तिथि की घोषणा बाद में करेंगी।

दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया (एफसीसीएसए) में वर्चुअल माध्यम से मीडिया को संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा, 'मैं जल्द ही बांग्लादेश जाऊंगी। मैं दिसंबर में बांग्लादेश लौटना चाहती हूं लेकिन अंतिम समय की जानकारी

जल्द साझा करूंगी। मुझे पहले भी कई बार गिरफ्तार किया गया है। यदि इस बार भी गिरफ्तार किया जाता है तो भी मैं अपने देश अवश्य लौटूंगी। ' शेख हसीना ने कहा कि पिछले दो वर्षों से वह अपने प्रिय बांग्लादेश को पीड़ा में देख रही हैं। आज का बांग्लादेश वह नहीं है, जिसके लिए 1971 के मुक्ति संग्राम में लाखों लोगों ने बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि जुलाई-अगस्त 2024 की घटनाएं कोई शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन नहीं थीं बल्कि सुनियोजित राजनीतिक साजिश थीं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने छात्र आंदोलन के दौरान संवाद, कानूनी प्रक्रिया और धैर्य के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास किया था। साथ ही घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक आयोग का भी गठन किया गया था। उनके अनुसार सुधार की मांग की आड़ में संगठित समूहों ने छात्र आंदोलन को हिंसक राजनीतिक अभियान में बदल दिया। शेख हसीना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस पर निशाना साधते हुए उन्हें 'अवैध शासन' का प्रमुख बताया।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

शिवपुरी पुलिस द्वारा 'सृजन संवाद' कार्यक्रम का दिनांक 05.08.2026 को जिला उत्कृष्ठ विद्यालय-01 शिवपुरी में शुभारंभ किया गया।...

*अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. डी. प्रजापति द्वारा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के बच्चों को उनके बेहतर भविष्य, आत्मरक्षा, अपराधों एवं सायबर सुरक्षा के बारे मे प्रशिक्षण दिया गया।...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। मध्यप्रदेश पुलिस एवं स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय तथा ह्स्क्र के तकनीकी सहयोग से प्रदेशभर में सृजन संवाद योजन संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता, उत्तरदायी नागरिकता, सुरक्षा-बोध तथा न्याय तक पहुँच के संबंध में समझ विकसित करना तथा पुलिस एवं समुदाय के मध्य विश्वास एवं संवाद को सुदृढ करना है।

योजना के अंतर्गत विद्यालयों में कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, विभिन्न कानूनों, बाल अधिकार, जे.जे. एक्ट, पाक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, रोड सेफ्टी, साइबर सेफ्टी एवं नारकोटिक्स आदि विषयों पर जागरूक किया जाना है।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वार जिले मे 'सृजन संवाद' योजना के तहत जागरुकता लाने के लिये जिले के पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों को निर्देश दिये गये हैं, जिसके तहत आज दिनांक 05.08.2026 को जिला उत्कृष्ठ विद्यालय-01 में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के मुख्य आथित्य में सृजन संवाद कार्यक्रम का सुभारंभ किया गया है। सृजन संवाद कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री आर. डी. प्रजापति के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया, कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित 11 एवं 12 वीं के छात्र छात्राओं से संवाद किया गया, जिसमें भारतीय संविधान, विभिन्न कानूनों, बाल अधिकार, जे.जे. एक्ट, पाक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, रोड सेफ्टी, साइबर सेफ्टी एवं नारकोटिक्स आदि विषयों पर जागरूक किया। उक्त कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक अनिल कवरेती, रक्षित निरीक्षक गायत्री इटोरिया, सूबेदार भानू प्रताप एवं उत्कृष्ठ विद्यालय-01 के प्रिंसीपल, शिक्षक स्टाफ एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे।

शिवपुरी में चेहल्लुम शरीफ पर दिखी अनूठी गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे की मिसाल बना शहर...

शिवपुरीः जिले में चेहल्लुम शरीफ के अवसर पर हर साल की तरह इस बार भी देश की साझी संस्कृति और आपसी भाईचारे की अनूठी 'गंगा-जमुनी तहजीब' की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। इस पावन अवसर पर दोनों समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर एक-साथ शिरकत की और सौहार्द का संदेश दिया। शिवपुरी की यह मिसाल पूरे देश में आपसी प्रेम और एकता का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करती है।

चेहल्लुम शरीफ के दौरान मुस्लिम समाज द्वारा ताजिए के जुलूस में शामिल हुए सभी अतिथियों का फूल-माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। मेहमानवाजी की यह दिल को छू लेने वाली परंपरा यहां बरसों से चली आ रही है, जो शहर के आपसी सौहार्द को और अधिक मजबूत करती है।

?आयोजन के दौरान पुरानी शिवपुरी इमामवाड़ा, तकिया मस्जिद, नीलगर चौराहा, पुराना बस स्टैंड, पुरानी शिवपुरी, कमलागंज, घोसीपुरा, छावनी, साइंसपुरा और महल रोड सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से ताजियों के जुलूस निकाले गए।

इस अवसर पर शहर काजी वलीउद्दीन सिद्दीकी, पोहरी विधायक कैलाश कुशवाहा, रामजी व्यास, शशि शर्मा, नलिन भार्गव, हेमू शर्मा, आशीष शर्मा, जुबेर ख़ान, चाँद ख़ान, सुहैल ख़ान, फ़ारूख़ राईन, सराफ़त राईन, जुनैद अफ़गानी, अपपल ख़ान, सबदर बेग, मिर्ज़ा अशरफ ख़ान, अन्नू ख़ान, समीर ख़ान, पप्पू ख़ान, इरशाद ख़ान, खैरा ख़ान, ज़ाहिद ख़ान, कामिल ख़ान, इस्माइल ख़ान, रहीस ख़ान सहित शहर के तमाम गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

समस्त ताजिया आयोजकों और मुस्लिम समाज द्वारा सभी अतिथियों को दिए गए इस स्नेह और सम्मान के लिए दिल से आभार व्यक्त किया गया है।

बैंड का बकाया 12 हजार रुपया मांगने पर गाली-गलौज, पीड़ित ने SP से लगाई न्याय की गुहार...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। ताज़िया जुलूस में बैंड बजाने का कार्य संपन्न कराने के बाद बकाया मजदूरी की राशि मांगने पर अभद्रता और गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है। पीड़ित बैंड संचालकों ने पुलिस अधीक्षक (स्क्र) शिवपुरी को आवेदन देकर अपनी बकाया राशि दिलाने तथा आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गुना (म.प्र.) स्थित 'सत्यम बैंड' के संचालक लक्ष्मीनारायण मास्टर और बलराम करोसिया ने एसपी को दिए आवेदन में बताया कि ग्राम मगौनी (थाना नरवर, जिला शिवपुरी) निवासी इकबाल खान ने 23 जून 2025 को ताज़िया जुलूस में बैंड बजाने के लिए 51,000 रुपये में बात तय की थी। इसके एवज में 2,000 रुपये एडवांस दिए गए थे तथा शेष 49,000 रुपये कार्य समाप्त होने पर देने का आश्वासन दिया गया था।

पीड़ितों का कहना है कि काम पूरा होने के बाद अनावेदक ने 37,000 रुपये का भुगतान तो कर दिया, लेकिन शेष 12,000 रुपये बकाया रख लिए। जब भी बकाया राशि मांगी गई, तो इकबाल खान द्वारा अभद्र व्यवहार, अश्लील भाषा का प्रयोग और गाली-गलौज करते हुए पैसे देने से मना कर दिया गया।

मजदूरी का भुगतान न होने से परेशान पीड़ितों ने एसपी कार्यालय में शिकायत पत्र सौंपकर बकाया 12,000 रुपये वापस दिलाने और आरोपी के खिलाफ उचित आपराधिक मामला दर्ज करने की गुहार लगाई है।

शिवपुरी के खनियाधाना में स्कूल टीचर पर घर में घुसकर छेड़छाड़, मारपीट और जातिसूचक गालियां देने का आरोप

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले के खनियाधाना अनुविभाग के बामौरकलां थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहाँ हायर सेकेंडरी स्कूल के पास रहने वाली एक महिला ने स्कूल के ही एक टीचर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि आरोपी शिक्षक पिछले दो महीने से उसे लगातार परेशान कर रहा था और आज सुबह जब उसने विरोध किया, तो टीचर ने उसके साथ मारपीट करते हुए अभद्रता की, जातिसूचक गालियां दीं और खुद को बचाने के लिए डॉयल 100 पुलिस बल को ही बुला लिया। हैरानी की बात यह है कि जब पीड़िता अपनी शिकायत लेकर थाने पहुँची, तो पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज करने की बजाय उसे डाँटकर भगा दिया। पीड़ित महिला द्वारा आज बुधवार की शाम साढ़े 4 बजे पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती आवेदन के अनुसार, उसका घर बामौरकलां में हायर सेकेंडरी स्कूल की बाउन्ड्री से सटा हुआ है। स्कूल में पढ़ाने वाला शिक्षक मुकेश कुमार शर्मा आए दिन उसे गंदे इशारे करता था और लगातार घूरता रहता था। आज सुबह करीब दस बजे जब आरोपी मास्टर स्कूल जा रहा था, तब उसने रास्ते में फिर से अश्लील हरकतें कीं। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने अपनी गाड़ी रोकी, उसके साथ झूमाझपटी की, थप्पड़ मारे और उसे जमीन पर पटक दिया, जिससे उसके शरीर, हाथ और जांघ में अंदरूनी चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी अपनी गाड़ी महिला के दरवाजे के पास ही छोड़कर स्कूल के अंदर भाग गया और वहाँ से लगातार जातिसूचक गालियाँ देते हुए धमकी देने लगा कि उसकी पहुँच ऊपर तक है, कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसके बाद आरोपी ने खुद डायल 100 पर फोन कर पुलिस बुला ली। महिला का यह भी आरोप है कि मौके पर पहुँची पुलिस ने उसकी बात सुनने के बजाय उसी को डराना-धमकाषठुड्डा शुरू कर दिया और चेतावनी दी कि अगर उसने मास्टर के खिलाफ कुछ कहा, तो उस पर ही झूठा केस दर्ज कर जेल भेज दिया जाएगा।

घटना के तुरंत बाद जब पीड़िता न्याय की उम्मीद में बामौरकलां थाने पहुँची, तो पुलिसकर्मियों ने उसकी एक नहीं सुनी और थाने से भगा दिया। पुलिस के इस रवैये से आहत होकर महिला ने आशंका जताई है कि आरोपी शिक्षक ने थाने में पैसे खिला दिए हैं, जिसके चलते पुलिस उसकी कोई सुनवाई नहीं कर रही है। अब पीड़िता ने जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष लिखित आवेदन देकर आरोपी शिक्षक मुकेश कुमार शर्मा के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई, छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज करने और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करने की गुहार लगाई है। इस सनसनीखेज मामले के सामने आने के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और अब सबकी निगाहें पुलिस के उच्च अधिकारियों के अगले कदम पर टिकी हैं।

श्योपुर जिले के 37 स्कूलों को मिलेंगे नए भवन, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मिलेगी नई मजबूती

श्योपुर में 24 और कराहल में 13 स्कूल भवन स्वीकृत, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर शिक्षण वातावरण

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में राज्य शासन ने बड़ा कदम उठाया है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में श्योपुर जिले के 37 शासकीय विद्यालयों के लिए नए भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन भवनों के निर्माण से वर्षों से जर्जर भवनों या वैकल्पिक व्यवस्थाओं में पढ़ाई कर रहे हजारों विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधायुक्त और बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध होगा।

जिला परियोजना समन्वयक भूपेन्द्र शर्मा ने बताया कि कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद के निर्देशन में राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा श्योपुर विकासखंड के 24 तथा कराहल विकासखंड के 13 विद्यालयों के लिए नए शाला भवन स्वीकृत किए गए हैं।

श्योपुर विकासखंड में प्राथमिक विद्यालय रायपुरा, सामरसा, ऊंचाखेड़ा, विजरपुर, शंकरपुर, सीसवाली, छोटाखेड़ा, जवासा, काशीपुर, खाकरिया का सहराना और लूंड सहित मिडिल स्कूल लाडपुरा एवं तिल्लीपुर में नए भवन बनाए जाएंगे, जिससे ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक और सुरक्षित शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

इसी प्रकार कराहल विकासखंड के निमोदामठ, शाहपुरा रूंडी, डोब का सहराना, रैना का टपरा, बलीहारा, बूढ़ा गोठरा, इंदिरा कॉलोनी राहरौन, कुदरदा, पालमपुरा, सेंखरा, सरारीखुर्द, सिरसवाड़ी, बाघचकराना, चक कॉलोनी, नसीहर, निचलीखोरी, पठारी, रेशम केन्द्र, सिलोरी, टपरिया, अधवाड़ा, बासेड़, चककिशनपुर एवं भनपुरा में भी नवीन शाला भवनों का निर्माण कराया जाएगा।

जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि इससे पहले गत सत्र में विजयपुर विकासखंड के करोलपुरा, झारबड़ौदा, बरदुल्हा, मोगियापुरा, भूतकछा, जहानगढ़, खूटका, ओछा की झोपड़ी, गसवानी, हीरापुरा, सेवला एवं डोबरी का पुरा तथा श्योपुर विकासखंड के बगदिया और बंजारा बस्ती रतोदन में भी नए स्कूल भवनों की स्वीकृति दी गई थी, जिनका निर्माण कार्य वर्तमान में तेजी से प्रगति पर है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नए भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर कक्षाएं, सुरक्षित परिसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण मिलेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी और बच्चों के विद्यालय आने की संख्या में भी सकारात्मक वृद्धि होने की उम्मीद है।

सपने बड़े देखो, लक्ष्य तय करो और अनुशासन से आगे बढ़ो': पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान

उत्कृष्ट विद्यालय में 'सृजन संवाद' कार्यक्रम आयोजित, 250 विद्यार्थियों को करियर, संविधान, साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा का मिला मार्गदर्शन

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। विद्यार्थियों को जागरूक, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित विद्यालय परिसर में 'सृजन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस, अभियोजन, विधिक सेवा एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उन्हें करियर निर्माण, कानून, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने मां शारदा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का सबसे बड़ा आधार अनुशासन, निरंतर अध्ययन और स्पष्ट लक्ष्य होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे बड़े सपने देखें, मेहनत को अपना साथी बनाएं और समाज व देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझें। पुलिस अधीक्षक ने युवाओं को नशे, अपराध और सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का जिम्मेदार नागरिक और देश का भविष्य है। इसलिए शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार और कानून के प्रति सम्मान भी आवश्यक है।

कार्यक्रम में जिला अभियोजन अधिकारी प्रवीण दीक्षित ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की मूल भावना, नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों तथा पॉक्सो (क्ह्ष्स्ह) अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि कानून उनके अधिकारों की रक्षा के लिए है और किसी भी प्रकार के शोषण या अपराध की स्थिति में बिना डर के संबंधित अधिकारियों को जानकारी देना चाहिए।

पैरा लीगल वालंटियर अंकित शांडिल्य ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं जुवेनाइल जस्टिस (जे.जे.) एक्ट की प्रमुख धाराओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा बाल अधिकारों के संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला।

यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह राजपूत ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट और ट्रैफिक नियमों के पालन का महत्व समझाया। वहीं महिला थाना प्रभारी निरीक्षक यास्मीन खान ने छात्राओं और विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा तथा कानून द्वारा उपलब्ध सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में साइबर सेल की महिला आरक्षक प्रियल पाठक ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर अपराध, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ओटीपी और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव सहित डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को जागरूक किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पी.एन. गोयल, एसडीओपी राजीव गुप्ता, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य जे.पी. जाटव, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण तथा लगभग 250 विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और व्यावहारिक तरीके से उत्तर दिया। पूरे आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानून के प्रति जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सुरक्षित भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।

मजदूरों से भरी लोडिंग वाहन पलटी, 6 घायल; एक की हालत गंभीर

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह मजदूरों से भरी एक लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में छह मजदूर घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को डायल-112 की मदद से बदरवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार दीघोद कंचनपुरा गांव के मजदूर लोडिंग वाहन से अम्हारा गांव काम करने जा रहे थे। इसी दौरान एजवारा रोड स्थित सड़ गांव के पास वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत डायल-112 को सूचना दी।

सूचना मिलते ही डायल-112 के पायलट हर्षवर्धन भार्गव और एसआई राकेश शिवहरे मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से वाहन में फंसे घायलों को बाहर निकाला और तत्काल बदरवास स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

हादसे में विनोद आदिवासी (28) निवासी दीघोद कंचनपुरा, अजय राजपूत (25) निवासी करैरा, जनवेद आदिवासी (30), रतन आदिवासी (30), फूल सिंह आदिवासी (18) और राजू आदिवासी (30) निवासी दीघोद कंचनपुरा घायल हुए हैं। इनमें राजू आदिवासी की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है।

पजानकारी के अनुसार दुर्घटना वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने से हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

खाद की समस्या विकराल, सुबह 5 बजे से लाइन में खड़े किसान, सरकार के दावों पर उठे सवाल

पोरसा (निज संवाददाता)। पोरसा तहसील में यूरिया खाद की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। किसानों का कहना है कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से खेती-किसानी का काम प्रभावित हो रहा है। बुधवार सुबह पोरसा थाना ग्राउंड में करीब 500 किसान यूरिया खाद प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए। यह दृश्य स्वयं इस बात का संकेत है कि खाद की उपलब्धता को लेकर किसानों में भारी चिंता बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार किसान सुबह 5 बजे से ही पोरसा थाना ग्राउंड पहुंचना शुरू हो जाते हैं, ताकि उन्हें खाद लेने का अवसर मिल सके। पहले किसानों को टोकन दिए जाते थे, जिसके आधार पर खाद का वितरण किया जाता था, लेकिन अब पहले जैसी टोकन व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और मौके पर ही व्यवस्था बनाई जा रही है। किसानों का आरोप है कि इस कारण भ्रम और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो रही है।

कई किसानों ने बताया कि वे 10, 15, 20 से 25 किलोमीटर दूर-दराज के गांवों से खाद लेने आते हैं। घंटों इंतजार करने के बाद भी यदि उन्हें खाद नहीं मिलती तो उन्हें निराश होकर खाली हाथ घर लौटना पड़ता है। इससे उनका समय, श्रम और आने-जाने का खर्च तीनों व्यर्थ हो जाते हैं।

किसानों का कहना है कि सरकार और संबंधित अधिकारी बार-बार यह दावा करते हैं कि यूरिया खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन यदि वास्तव में पर्याप्त स्टॉक है तो फिर प्रतिदिन सैकड़ों किसानों की लंबी कतारें क्यों लग रही हैं? आखिर किसानों को सुबह से घंटों इंतजार करने की नौबत क्यों आ रही है?

किसानों का यह भी आरोप है कि खाद वितरण की नीतियों में बार-बार बदलाव किया जा रहा है, लेकिन इससे समस्या का समाधान नहीं हो रहा। व्यवस्था बदलने के बावजूद किसानों को समय पर और सुगमता से खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। खेती के महत्वपूर्ण समय में खाद नहीं मिलने से फसलों की बुवाई और बढ़वार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ रही है।

क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन और शासन से मांग की है कि यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया जाए तथा गांव स्तर पर भी खाद उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसानों को कई किलोमीटर की यात्रा कर घंटों लाइन में खड़ा न होना पड़े।

फिलहाल पोरसा तहसील में खाद की समस्या किसानों के लिए बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है और यदि जल्द प्रभावी समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले दिनों में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

गूगल का बृहद पौधारोपन खडरिया पुरा में

मुरैना (निज संवाददाता)। 5/8/2026 को पर्वत के नीचे खड़रिया पुरा गांव में ब्लॉक पहाडगढ के आदिवासी बाहुल्य ग्राम में 2500 पौधे लगाऐ गए यह रोपण कार्य 3 दिन से चल रहा था। इस अगस्त माह में 10000 पौधे गूगल के पौधे पांच गांव में खडरिया पुरा, धौधा, कनार, जडेरू और आरैटी गांव में लगाए जाएंगे। सुजागृती समाज सेवी संस्था मुरैना और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से , हैंड्स अराउंड नेचर एंड सोसाइटी एवं सहरिया वाडी विकास समिति, कन्हार के संयुक्त तत्वाधान में वाडी विकास परियोजना का संचालन ग्राम खड़रियापुरा, धोबनी, कन्हार, खोरी, बघेवर, मरा एवं अरेठी में किया जा रहा है प्रथम फेज़ में ग्राम खड़रियापुरा, धोबनी, कन्हार, खोरी और अरेठी में 113 सहरिया एवं 17 अन्य परिवारों की 150 एकड़ प्रत्येक परिवार की एक एकड़ कृषि जमीन पर आम, अमरूद और मेड पर गुग्गुल के पौधों का रोपण किया जाना है अभी तक 70 एकड़ में आम अमरूद का पौधारोपण हो चुका है और गुगुल का और आम,अमरूद का पौधारोपण हो रहा है। द्वितीय फेज में ग्राम बघेवर, मरा सहित धोबनी, कन्हार में 140 एकड़ में अगले वर्ष पौधारोपण किया जावेगा।

इस परियोजना का उद्देश्य आदिवासी परिवार का समग्र विकास का है। इसमें आय के साथ साथ पर्यावरण का भी संरक्षण शामिल है जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सके।

पौधारोपण के साथ पोषण ,स्वास्थ्य, आजीविका प्रशिक्षण, सरकार की अन्य योजनाओं से, सभी चयनित परिवारों को जोड़ना है।

गूगल के पौधारोपण में तकनीकी सहयोग एवं पौधों की आपूर्ति सुजागृति संस्थान मुरैना द्वारा दिया जा रहा। संस्था अध्यक्ष जाकिर हुसैन द्वारा आज पौधा रोपण और तकनीकी में निर्देशन किया , परियोजना के निदेशक उमाशंकर शर्मा जी नीरज जी सुनहरी साह एवं हितग्राही किसान

राकेश, सीताराम, मुरारी, राजेंद्र, सुमन, मुन्ना, पतिराम, अनीता, रामेन्द्र, मुन्नी, मिथिलेश, सूरज, रेशमा, कम्मोद, उदयभान, कैलाशी नै भागीदारी की।

सीईओ के आदेश बेअसर! जनसुनवाई के दिन ही पंचायत सचिव गायब, ग्रामीण बिना सुनवाई लौटे

जलालपुरा पंचायत में सचिव की अनुपस्थिति से उठे सवाल, ग्रामीण बोले– न समस्याएं सुनी जा रहीं, न विकास कार्यों को मिल रही गति

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्यप्रदेश शासन निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की जाती है। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में भी नियमित रूप से जनसुनवाई होती है। इसी उद्देश्य से जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देश दिए थे कि वे प्रत्येक कार्य दिवस में कार्यालय समय पर पंचायत भवन में उपस्थित रहें तथा प्रत्येक मंगलवार को पंचायत स्तर पर जनसुनवाई आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि छोटी-छोटी समस्याओं के लिए लोगों को जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े।

लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिले की कई ग्राम पंचायतों में इन निर्देशों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। कई स्थानों पर पंचायत सचिव न तो नियमित रूप से पंचायत भवन में उपस्थित रहते हैं और न ही मंगलवार की जनसुनवाई में दिखाई देते हैं।

ऐसा ही मामला श्योपुर जनपद की ग्राम पंचायत जलालपुरा से सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार को वे अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पंचायत भवन पहुंचे, लेकिन जनसुनवाई के दौरान पंचायत सचिव मौजूद नहीं मिले। सचिव की अनुपस्थिति के कारण ग्रामीणों की शिकायतें दर्ज नहीं हो सकीं और उन्हें बिना समाधान के ही निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव अक्सर पंचायत मुख्यालय से अनुपस्थित रहते हैं, जिससे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन, आवास, मनरेगा, राजस्व एवं अन्य पंचायत संबंधी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। उनका कहना है कि सचिव की लगातार अनुपस्थिति से विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं और आम लोगों को बार-बार परेशान होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत जलालपुरा में पंचायत सचिव की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए तथा जनसुनवाई के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े।

हालांकि, इस संबंध में पंचायत सचिव का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है। यदि उनका पक्ष प्राप्त होता है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

पीएम आवास योजना 2.0 में गड़बड़ी का आरोप, गरीब परिवारों ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

सर्वे में अपात्र घोषित करने और रिश्वत मांगने का लगाया आरोप, निष्पक्ष जांच कर पात्र हितग्राहियों के नाम जोड़ने की मांग

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास) 2.0 के तहत पात्रता सत्यापन को लेकर ग्राम पंचायत बड़ौदाराम के अंतर्गत आने वाले ग्राम सीसवाली के कई गरीब परिवारों ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। मंगलवार को ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर सर्वे में अनियमितता तथा कथित रूप से रिश्वत मांगने के आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वे अत्यंत गरीब परिवारों से हैं और आज भी जर्जर झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं। लंबे समय से प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ की प्रतीक्षा कर रहे थे, लेकिन आवास प्लस 2.0 के सत्यापन के दौरान उन्हें कथित रूप से अपात्र घोषित कर दिया गया।

ग्रामीणों ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि सत्यापन कार्य से जुड़े जांच अधिकारी एवं संबंधित रोजगार सहायक ने व्यक्तिगत रंजिश के चलते पात्र परिवारों के नाम सूची से बाहर कर दिए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर प्रति हितग्राही 10 हजार रुपये की मांग की गई। शिकायतकर्ताओं ने इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे गांव का दोबारा निष्पक्ष सर्वे कराया जाए तथा वास्तविक पात्र परिवारों के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की सूची में शामिल किए जाएं, ताकि गरीब परिवारों को शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ मिल सके। ज्ञापन में बाबूलाल, रामसिंह, राकेश, महेंद्र, हेमराज, रामप्रसाद, राजेश, महावीर, जुगराज सहित 11 पात्र परिवारों के नाम शामिल हैं। सभी ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक शिकायत में लगाए गए आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था। प्रशासनिक जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

अग्रवाल संघ मुरैना द्वारा तीन दिवसीय 'रक्षाबंधन मेला-2026' का आयोजन

मुरैना। अग्रवाल संघ मुरैना के तत्वावधान में दिनांक 7, 8 एवं 9 अगस्त 2026 को गांधी मैरिज होम, गांधी बाल निकेतन रोड, गोपालपुर, मुरैना में तीन दिवसीय 'रक्षाबंधन मेला-2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस मेले का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार, व्यवसाय एवं आत्मनिर्भरता के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी प्रतिभा, कौशल एवं उद्यमशीलता का प्रदर्शन कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

मेले में महिला उद्यमियों द्वारा राखियाँ, वस्त्र, आभूषण, पूजा सामग्री, सौंदर्य प्रसाधन, गृह सज्जा सामग्री, हस्तशिल्प उत्पाद, खाद्य सामग्री तथा अन्य घरेलू एवं उपयोगी उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। यह आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

अग्रवाल संघ का मानना है कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब महिलाएँ आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हों। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह मेला महिलाओं को केवल व्यापार का अवसर ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम भी बनेगा अग्रवाल संघ मुरैना के नगरवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पधारकर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करें, उनके उत्पादों की खरीदारी करें तथा इस सामाजिक एवं प्रेरणादायी पहल को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

दतिया का जनादेश भाजपा के लिए चेतावनी, अब चुनाव नहीं विकास पर हो फोकस

राजनीतिक विश्लेषण में उठे सवाल : श्योपुर की उपेक्षा, विकास की धीमी रफ्तार और जनभावनाओं को लेकर मंथन की जरूरत

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

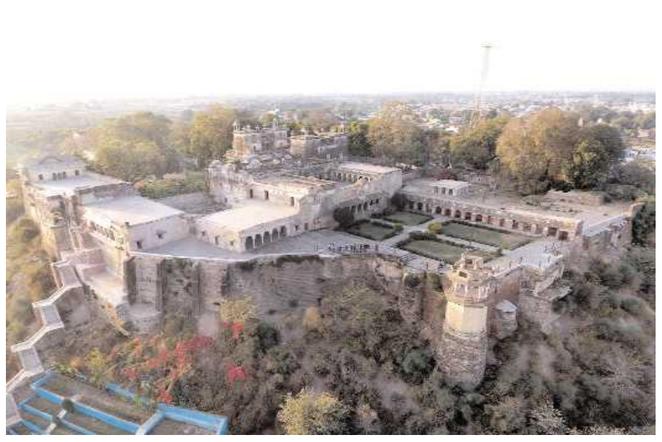

श्योपुर। दतिया उपचुनाव के परिणामों के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। श्योपुर में भी चुनाव परिणाम को लेकर विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक वर्गों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और स्थानीय नेताओं का मानना है कि यह परिणाम केवल एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और विकास संबंधी मुद्दों को गंभीरता से लेने का संदेश भी देता है।

राजनीतिक चर्चा के दौरान यह राय सामने आई कि दतिया के परिणाम के बाद श्योपुर में भी भाजपा के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उनका मानना है कि यह असंतोष केवल चुनावी हार को लेकर नहीं, बल्कि लंबे समय से क्षेत्रीय उपेक्षा, स्थानीय समस्याओं और जनभावनाओं की अनदेखी से भी जुड़ा हुआ है।

चर्चा में यह भी कहा गया कि पिछले एक दशक से श्योपुर जिले से भाजपा का कोई विधायक विधानसभा नहीं पहुंच सका। कुछ लोगों का मत है कि इसका कारण केवल विपक्ष की मजबूती नहीं, बल्कि जिले के विकास को लेकर जनता की बढ़ती अपेक्षाएं और अधूरे वादे भी हैं।

विश्लेषण में पड़ोसी क्षेत्रों के विकास का भी उल्लेख किया गया। वक्ताओं का कहना था कि राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र तथा अन्य जिलों में औद्योगिक विकास, सड़क नेटवर्क और आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जबकि श्योपुर अब भी कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रतीक्षा कर रहा है।

चर्चा के दौरान जिले में औद्योगिक निवेश, नए राष्ट्रीय राजमार्गों से बेहतर संपर्क, यातायात व्यवस्था में सुधार, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार तथा किसानों की समस्याओं के स्थायी समाधान जैसे विषय प्रमुखता से उठाए गए। वक्ताओं ने कहा कि श्योपुर के समग्र विकास के लिए दीर्घकालिक और विशेषज्ञों द्वारा तैयार विकास योजना की आवश्यकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अब समय केवल चुनावी रणनीतियों तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और भविष्य की ठोस कार्ययोजना तैयार करने का है। उनका मत है कि यदि श्योपुर को विकसित भारत की मुख्यधारा से जोड़ना है तो जिले के लिए उद्योग, सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों में विशेष पैकेज एवं दीर्घकालिक विजन के साथ कार्य करना होगा। चर्चा में यह भी सुझाव दिया गया कि श्योपुर के विकास के लिए विशेषज्ञों की टीम बनाकर जिले की भौगोलिक, कृषि एवं औद्योगिक संभावनाओं का अध्ययन किया जाए और उसी आधार पर विकास का रोडमैप तैयार किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में जिले को नई पहचान मिल सके। दतिया के चुनाव परिणाम के बाद शुरू हुई यह बहस अब श्योपुर के विकास, जनअपेक्षाओं और राजनीतिक जवाबदेही पर केंद्रित होती दिखाई दे रही है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि इन मुद्दों पर किस प्रकार की पहल करते हैं।

संपादकीय

हिरोशिमा की राख से उठता प्रश्नः क्या मानवता परमाणु विनाश की ओर बढ़ रही है?

डॉ भूपेंद्र कुमार सुल्लेरे
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945 मानव इतिहास की उन तिथियों में दर्ज है, जिसे सभ्यता कभी भूल नहीं सकती। इसी दिन अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर 'लिटिल बॉय' नामक पहला परमाणु बम गिराया था। कुछ ही क्षणों में एक जीवंत शहर धुएँ और राख के ढेर में बदल गया। लगभग 70 हजार लोग तत्काल मारे गए और वर्ष के अंत तक विकिरण तथा अन्य प्रभावों से मरने वालों की संख्या डेढ़ लाख के आसपास पहुँच गई। इसके तीन दिन बाद 9 अगस्त को नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। इन दोनों घटनाओं ने द्वितीय विश्व युद्ध का अंत तो किया, लेकिन मानव इतिहास में परमाणु युग की शुरुआत भी कर दी।

हिरोशिमा दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए चेतावनी का दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि विज्ञान और तकनीक का उपयोग यदि मानव कल्याण के बजाय विनाश के लिए किया जाए तो उसका परिणाम कितना भयावह हो सकता है।

आज, 81 वर्ष बाद भी दुनिया ने उस त्रासदी से पूरी तरह सबक नहीं लिया है। इसके विपरीत, परमाणु हथियारों की संख्या, उनकी मारक क्षमता और उन्हें ले जाने वाली मिसाइल प्रणालियाँ पहले से कहीं अधिक उन्नत हो चुकी हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्तमान में विश्व के पास इतने परमाणु हथियार हैं कि पृथ्वी पर जीवन को कई बार समाप्त किया जा सकता है। यह स्थिति केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं है, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है।

आज अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल जैसे देश परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र हैं। इनमें अमेरिका और रूस के पास सबसे बड़ा परमाणु भंडार है, जबकि चीन तेजी से अपने शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है। दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु संतुलन तथा पूर्वी एशिया में उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाएँ वैश्विक चिंता का विषय बनी हुई हैं।

विडंबना यह है कि शीत युद्ध समाप्त होने के बाद उम्मीद थी कि परमाणु हथियारों में कमी आएगी, लेकिन आज स्थिति उलटी दिखाई देती है। यूक्रेन-रूस युद्ध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, चीन-ताइवान विवाद और अनेक क्षेत्रीय संघर्षों ने परमाणु हथियारों की प्रासंगिकता को फिर से बढ़ा दिया है। कई देशों ने अपने परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण पर अरबों डॉलर खर्च करने की योजनाएँ बनाई हैं।

यह भी विचारणीय है कि जिन देशों में करोड़ों लोग आज भी गरीबी, भूख, बेरोजगारी और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, वही देश हथियारों की होड़ में भारी धनराशि खर्च कर रहे हैं। यदि इस धन का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और गरीबी उन्मूलन पर लगाया जाए, तो विश्व कहीं अधिक सुरक्षित और समृद्ध बन सकता है।

परमाणु हथियार केवल युद्ध के समय ही खतरा नहीं होते। दुर्घटनाएँ, तकनीकी त्रुटियाँ, साइबर हमले, गलत आकलन या मानवीय भूल भी परमाणु युद्ध का कारण बन सकती हैं। इतिहास में कई अवसर ऐसे आए हैं जब तकनीकी गड़बड़ी के कारण दुनिया अनजाने में परमाणु युद्ध के बेहद करीब पहुँच गई थी। इसलिए परमाणु खतरा केवल राजनीतिक निर्णयों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तकनीकी और मानवीय जोखिमों से भी जुड़ा हुआ है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ), साइबर युद्ध और हाइपरसोनिक मिसाइलों जैसी नई तकनीकों ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। यदि भविष्य में परमाणु हथियारों के नियंत्रण तंत्र पर साइबर हमला हो जाए या कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निर्णय प्रणाली में त्रुटि हो जाए, तो परिणाम पूरी मानवता के लिए विनाशकारी हो सकते हैं।

जलवायु वैज्ञानिक भी चेतावनी देते हैं कि सीमित परमाणु युद्ध भी 'न्यूक्लियर विंटर' अर्थात परमाणु शीतकाल का कारण बन सकता है। वातावरण में धूल और धुएँ की मोटी परत सूर्य के प्रकाश को रोक सकती है, जिससे वैश्विक तापमान गिर जाएगा, कृषि उत्पादन ठप हो जाएगा और करोड़ों लोग भुखमरी का शिकार हो सकते हैं। अर्थात परमाणु युद्ध में केवल युद्धरत देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया प्रभावित होगी।

भारत का दृष्टिकोण इस संदर्भ में अपेक्षाकृत संतुलित माना जाता है। भारत ने 'पहले प्रयोग न करने' (ह्न्श्र स्नद्बह्म्ह्यह्ल ह्वह्यद्ग) की नीति अपनाई है और सदैव वैश्विक परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन किया है। भारत का मानना है कि विश्व को परमाणु हथियारों से मुक्त बनाने के लिए सभी देशों को समान रूप से आगे आना चाहिए। महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश आज भी पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। परमाणु अप्रसार संधि (NPT), व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT) तथा परमाणु हथियार निषेध संधि (TPNW) जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रयास हुए हैं, लेकिन प्रमुख परमाणु शक्तियों की राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। जब तक शक्तिशाली देश स्वयं अपने परमाणु शस्त्रागार में कमी नहीं करेंगे, तब तक वैश्विक निरस्त्रीकरण केवल आदर्श ही बना रहेगा।

हिरोशिमा हमें यह भी सिखाता है कि किसी भी युद्ध में वास्तविक हार मानवता की होती है। युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति ही चाहते हैं। इसलिए स्थायी समाधान हथियारों के विस्तार में नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति, विश्वास निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में निहित है।

आज पूरी दुनिया 'विकसित राष्ट्र' बनने की दौड़ में लगी है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और सैन्य शक्ति को विकास का प्रतीक माना जाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि विकास के साथ मानवता, शांति और सुरक्षा नहीं जुड़ी हो, तो क्या वह वास्तव में विकास कहलाएगा? क्या ऐसा विकास सार्थक है जो पृथ्वी को अनेक बार नष्ट करने की क्षमता तो पैदा कर दे, लेकिन भूख, बीमारी और असमानता को समाप्त न कर सके?

वास्तविक विकास वह है जिसमें मनुष्य सुरक्षित हो, प्रकृति सुरक्षित हो और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित हो। केवल आर्थिक शक्ति या सैन्य क्षमता किसी राष्ट्र को महान नहीं बनाती; उसकी महानता इस बात से तय होती है कि वह विश्व शांति, मानवीय मूल्यों और वैश्विक सहयोग के लिए कितना योगदान देता है।

हिरोशिमा दिवस इसलिए केवल जापान का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का स्मृति दिवस है। यह हमें स्मरण कराता है कि विज्ञान का उद्देश्य जीवन की रक्षा होना चाहिए, न कि उसके विनाश का साधन बनना। परमाणु हथियारों की दौड़ मानव सभ्यता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा के एक ऐसे चक्र में धकेल रही है, जहाँ एक छोटी-सी भूल भी पृथ्वी के भविष्य को अंधकारमय बना सकती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय हथियारों की प्रतिस्पर्धा के स्थान पर विश्वास, सहयोग और शांति की संस्कृति को बढ़ावा दे। हिरोशिमा की राख से उठती यह पुकार आज भी उतनी ही प्रासंगिक है–मानवता का भविष्य बमों में नहीं, बल्कि संवाद, करुणा और शांति में सुरक्षित है। यही 6 अगस्त का सबसे बड़ा संदेश है।

अंग दान, महा दान

बीस हज़ार नई ज़िंदगियाँ: अंगदान ने बदली भारत की तस्वीर

आगरा का सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज अब अंग प्रत्यारोपण सेवाओं के विस्तार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सुपर स्पेशियलिटी विंग में किडनी प्रत्यारोपण की सभी प्रमुख तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और जल्द नियमित प्रत्यारोपण शुरू होने की उम्मीद है। यहां कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा पहले से उपलब्ध है, जबकि भविष्य में लिवर, हृदय और फेफड़ों के प्रत्यारोपण की भी योजना है। मेडिकल कॉलेज का एनाटॉमी विभाग देहदान (कैडवर डोनेशन) भी स्वीकार करता है। दान किए गए शरीरों का उपयोग एमबीबीएस और पीजी छात्रों के प्रशिक्षण, एनाटॉमी अध्ययन तथा सर्जिकल शिक्षा में किया जाता है। देहदान के लिए इच्छुक व्यक्ति एनाटॉमी विभाग में पंजीकरण करा सकते हैं।

बृज खंडेलवाल द्वारा

5 अगस्त 2026

हाल ही में गुजरात में वंदे भारत एक्सप्रेस ने ग्रीन कॉरिडोर की मदद से जीवित हृदय समय पर पहुँचाकर इतिहास रचा।

एक परिवार अपने प्रियजन को हमेशा के लिए विदा कर रहा था। उसी समय, किसी दूसरे अस्पताल में एक मरीज नई जिंदगी की उम्मीद से ऑपरेशन थिएटर में ले जाया जा रहा था। एक घर का ग़म, दूसरे घर की खुशी बन गया।

अंगदान की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि इंसान इस दुनिया से जाने के बाद भी कई लोगों की धड़कनों में ज़िंदा रह सकता है।

भारत ने वर्ष 2025 में अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। पहली बार देश में 20,138 अंग प्रत्यारोपण किए गए। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6-7 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2013 में यह संख्या केवल 4,990 थी। यानी एक दशक में अंग प्रत्यारोपण चार गुना से भी अधिक बढ़ गया। दिल्ली-एनसीआर सबसे आगे रहा, जहाँ 4,500 से अधिक प्रत्यारोपण हुए। इसके बाद तमिलनाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना और केरल का स्थान रहा। मृत्यु के बाद अंगदान करने वालों में तमिलनाडु ने फिर मिसाल पेश की। महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक भी इस दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं।

आज भारत जीवित दाताओं से अंग प्रत्यारोपण में दुनिया का अग्रणी देश है। कुल प्रत्यारोपण की संख्या के मामले में भारत अब केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। यह उपलब्धि देश के डॉक्टरों, सर्जनों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत का नतीजा है। साथ ही, यह उन परिवारों की संवेदनशील सोच को भी सलाम है, जिन्होंने अपने दुःख के बीच किसी अनजान व्यक्ति को जीवन देने का फैसला किया।

एक दाता परिवार के सदस्य ने कहा, 'हमारा बेटा तो चला गया, लेकिन उसकी किडनी और लीवर अब दो और परिवारों में धड़क रहे हैं। हमें लग रहा है कि वो अब भी कहीं ज़िंदा है।' एक लाभार्थी, जो कई साल से डायलिसिस पर था, भावुक होकर बोला, 'जब डॉक्टर ने कहा कि अंग मिल गया है, तो लगता था जैसे मौत के मुँह से वापस लौट आया हूँ। अब मैं बच्चों के साथ खेल सकता हूँ। दाता परिवार का शुक्रिया अदा करने के शब्द नहीं हैं।'

विशेषज्ञ भी इस बदलाव को सराहते हैं। प्रसिद्ध ट्रांसप्लांट सर्जन कहते हैं, 'अंगदान सबसे बड़ा उपहार है। कृपया अपने अंग स्वर्ग न ले जाएँ; स्वर्ग को पता है कि हमें यहाँ उनकी ज़रूरत है।'

राष्ट्रीय डिजिटल पोर्टल पर 2023 से अब तक पाँच लाख से अधिक लोगों ने अंगदान का संकल्प लिया है। 'जुग-जुग जियो अभियान', ह्लह्रञ्जञ्जह्र मोबाइल ऐप और 'वन नेशन, वन पॉलिसी' ने प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया है। कई नए एम्स में किडनी और लीवर प्रत्यारोपण की सुविधाएँ बढ़ी हैं।

फिर भी चुनौती बाकी है। हर साल लाखों मरीज अंगों की प्रतीक्षा में हैं। बहुत से लोग समय पर अंग न मिलने से जान गँवा देते हैं।

यही कमी ग्रे मार्केट को बढ़ावा देती है। ग़रीबों से किडनी चुराकर या जबरदस्ती बेचने के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं। दलाल ग़रीब किसानों, मजदूरों और कर्ज में डूबे लोगों को फुसलाते हैं। नकली रिश्ते, फर्जी दस्तावेज़ बनाकर अवैध प्रत्यारोपण कराए जाते हैं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली-एनसीआर और यहाँ तक कि बांग्लादेश-कम्बोडिया से जुड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट भी पकड़े गए हैं। ग़रीब दाता को थोड़े पैसे मिलते हैं, जबकि मरीज से लाखों वसूले जाते हैं। कई बार किडनी चुरा ली जाती है या धोखे से निकाल ली जाती है। यह काला व्यापार मानवीय गरिमा का घोर अपमान है।

कानून सख्त है, लेकिन जागरूकता और पारदर्शिता बढ़ाकर ही इस ग्रे मार्केट पर अंकुश लगाया जा सकता है।

जब मृत्यु के बाद अंगदान समाज की स्वाभाविक संस्कृति बनेगी, तभी असली सफलता मिलेगी। आख़िरकार, इंसान की सबसे बड़ी विरासत उसकी दौलत नहीं, बल्कि वह जीवन है जो वह दूसरों को देकर जाता है। अंगदान सचमुच मृत्यु के बाद भी जीवन का सबसे सुंदर उत्सव है।

कांवड़ यात्रा : सनातन चेतना का महासमर और शिव भक्ति का महाकुंभ

ओ.पी. पाल-विभूति फीचर्स)

भारत वर्ष की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना में श्रावण (सावन) मास का स्थान अत्यंत विशिष्ट एवं सर्वोपरि है। ग्रीष्म ऋतु की प्रचंड तपन के उपरांत जब आकाश से मेघों की प्रथम बूंदें धरा का आलिंगन करती हैं, तब न केवल प्रकृति का नवश्रृंगार होता है, बल्कि सनातन धर्मी चेतना भी देवाधिदेव महादेव की भक्ति में सराबोर हो उठती है। श्रावण का संपूर्ण मास भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना को समर्पित होता है। इस पावन अवसर पर उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक पूरा देश 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गुंजायमान रहता है। इस माह में आयोजित होने वाली 'कांवड़ यात्रा' केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, कठिन तपस्या, सामाजिक समरसता और अनुशासन का एक अप्रतिम महासंगम है।

सनातन शास्त्रों एवं पुराणों (विशेषकर शिव पुराण और लिंग पुराण) के अनुसार, श्रावण मास भगवान शिव का अत्यंत प्रिय मास है। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं है, अपितु यह भारत की अक्षुण्ण सांस्कृतिक धरोहर, अटूट आस्था और जीवंत सामाजिक व्यवस्था का दिग्दर्शन है। जहाँ एक ओर भक्त अपनी कठोर साधना से आत्म-शुद्धि करते हैं, वहीं भारत की आत्मा उसकी सामूहिक चेतना और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना में निवास करती है। गंगाजल की हर बूंद के साथ उठने वाला शिवभक्तों का विश्वास भारत की एकता और अखंडता को सदैव संबल प्रदान करता रहेगा। वहीं मान्यता है कि समूह में 'हर-हर महादेव' के निरंतर संकीर्तन से निकलने वाली ध्वनि तरंगें मस्तिष्क में डोपामाइन और एंडोर्फिन जैसे हार्मोनों का स्राव करती हैं, जिससे शारीरिक थकावट का अहसास कम होता है और मानसिक तनाव दूर होता है।

सनातन धर्म में पौराणिक मान्यता है कि देवों और दानवों द्वारा किए गए सागर मंथन के दौरान जब कालकूट नामक भयानक विष निकला, तो उसकी तपन से समस्त सृष्टि त्राहि-त्राहि कर उठी। संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा हेतु भगवान शिव ने उस हलाहल विष को अपने कण्ठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कण्ठ नीला पड़ गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। विष की तीव्र दाहक अग्नि को शांत करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक किया। इसी घटना की स्मृति में आज भी श्रद्धालु श्रावण मास में, विशेष रूप से श्रावण शिवरात्रि के दिन, गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। एक अन्य मान्यता यह भी है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए श्रावण मास में ही कठोर तपस्या की थी। शिव जी ने प्रसन्न होकर इसी माह में उन्हें अपनी अर्धांगिनी स्वीकार किया था। इसलिए यह मास शिव-शक्ति के मिलन का भी प्रतीक माना जाता है। इसी कारण कांवड़ यात्रा का प्रचलन शुरु हुआ। इसके

तहत श्रद्धा, संकल्प और कठिन तपस्या का मार्गकांवड़ यात्रा एक ऐसी पैदल यात्रा है जिसमें भक्त (कांवड़िये) पवित्र नदियों मुख्यतः गंगा नदी से जल भरकर अपने कंधों पर कांवड़ (बांस की बहंगी जिस पर जल के पात्र बंधे होते हैं) लेकर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने स्थानीय या प्रसिद्ध शिवालयों तक पहुंचते हैं।

कांवड़ यात्रा और श्रावण मास के नियमों के पीछे केवल आध्यात्मिक कारण ही नहीं, बल्कि गूढ़ वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी कारण भी निहित हैं। वर्षा ऋतु में श्रावण मास में नदियाँ उफान पर होती हैं और उनमें ताजा जल बहता है। प्राचीन काल में प्राकृतिक स्रोतों के जल की शुद्धता को पूजने और जल संरक्षण का संदेश देने के लिए जल यात्रा की परंपरा बनी।

सावन के महीने में वातावरण में आद्रता बढ़ जाती है, जिससे मानव शरीर की जठराग्नि (पाचन क्रिया) मंद हो जाती है। इस माह में उपवास रखना, सात्विक भोजन करना और पैदल चलना शरीर की चयापचय प्रणाली को संतुलित करता है। इसके अलावा समूह में 'हर-हर महादेव' के निरंतर संकीर्तन से निकलने वाली ध्वनि तरंगें मस्तिष्क में डोपामाइन और एंडोर्फिन जैसे हार्मोनों का स्राव करती हैं, जिससे शारीरिक थकावट का अहसास कम होता है और मानसिक तनाव दूर होता है।

उत्तर भारत (उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब) के लाखों कांवड़िये हरिद्वार के हर की पौड़ी और ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट से पवित्र गंगाजल उठाते हैं। वहीं कठिन तपस्या करने वाले 'डाक कांवड़िये' या सिद्ध भक्त सीधे गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री व गोमुख (उत्तराखंड) से जल लाते हैं। इसी प्रकार पूर्वी भारत के सुल्तानगंज (बिहार) में प्रसिद्ध उत्तर वाहिनी गंगा से जल उठाकर शिवभक्त कठिन पैदल यात्रा करके झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्थानीय शिवभक्त हरिद्वार व ऋषिकेश के अलावा यूपी में ब्रजघाट (गढ़मुक्तेश्वर) व नरौरा गंगा घाटों से जल भरकर अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हैं। जबकि मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के कांवड़िये प्रयागराज और वाराणसी (उत्तर प्रदेश) के संगम स्थल से गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ (काशी) को अर्पित करते हैं। श्रद्धालुओं के लिए खास बात ये भी है कि कांवड़ यात्रा का सबसे सुंदर पहलू इसका कठोर अनुशासन है। यात्रा के दौरान कांवड़ को कभी भी सीधे जमीन पर नहीं रखा जाता। यदि कांवड़िया विश्राम करता है, तो कांवड़ को विशेष स्टैंड (आसन) पर रखा जाता है। पूरी यात्रा के दौरान शुद्ध सात्विक आहार, ब्रह्मचर्य का पालन, और मुख से निरंतर प्रभु नाम का संकीर्तन अनिवार्य होता है।

श्रावण मास और श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर देश के कोने-कोने में स्थित ज्योतिर्लिंगों और ऐतिहासिक मंदिरों में विशाल मेले लगते हैं और जलाभिषेक किया जाता है। इनमें प्रमुख रुप से उत्तर प्रदेश में काशी विश्वनाथ(वाराणसी), लोधेश्वर महादेव (बाराबंकी), औघड़नाथ (मेरठ), पुरा महादेव (बागपत) में करोड़ो शिवभक्त काशी विश्वनाथ में मोक्ष दायिनी गंगा से तथा मेरठ व बागपत में हरिद्वार से लाए जल से लाखों शिवभक्त जलाभिषेक करते हैं। इसी प्रकार मध्य प्रदेश में महाकालेश्वर (उज्जैन) और ओंकारेश्वर (खंडवा) के मंदिरों में श्रावण के प्रत्येक सोमवार को बाबा महाकाल की भव्य सवारी निकलती है और कोटितीर्थ के जल से अभिषेक होता है। जबकि झारखंड में बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर)

में बिहार के सुल्तानगंज से 105 किमी पैदल चलकर कांवड़िये 'कामना लिंग' पर जल अर्पित करते हैं। इस क्रम में गुजरात सोमनाथ मंदिर (प्रभास पाटन) नागेश्वर ज्योतिर्लिंग में देश-विदेश से श्रद्धालु जलाभिषेक हेतु पहुंचते हैं। महाराष्ट्र में त्र्यंबकेश्वर (नाशिक), भीमाशंकर, घृश्णेश्वर गोदावरी के जल से भगवान त्र्यंबकेश्वर का जलाभिषेक किया जाता है। दक्षिण भारत में प्रमुख रुप से तमिलनाडु के रामनाथस्वामी (रामेश्वरम) में शिवभक्त भक्त गंगाजल लाकर रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं और वहां का जल लाकर काशी में अर्पित करते हैं।

करोड़ों कांवड़ियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों (विशेष रूप से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और बिहार) द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जाती हैं। इसके लिए यातायात और मार्ग प्रबंधन प्राथमिकता में शामिल है। कांवड़ पटरी व समर्पित लेन बनाकर राष्ट्रीय राजमार्गों (जैसे दिल्ली-देहरादून ह्न-58) पर कांवड़ियों के लिए एक अलग समर्पित लेन (कांवड़ मार्ग) बनाई जाती है। इसके लिए रूट डायवर्जन किया जाता है, जिसके रोडमैप में भारी वाहनों का प्रवेश कांवड़ मार्गों पर पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया जाता है और वैकल्पिक मार्ग तय किए जाते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे कांवड़ मार्ग, प्रमुख चौराहों, घाटों और मंदिरों के आसपास ड्रोन कैमरों और हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी से 24×7 निगरानी की जाती है। वहीं संवेदनशीलता को देखते हुए भारी संख्या में नागरिक पुलिस, पीएसी, आरएएफ और एटीएस के जवान तैनात किए जाते हैं। इसके अलावा सादे कपड़ों में इंटेलिजेंस और पुलिसकर्मी भीड़ के बीच मुस्तैद रहते हैं ताकि कोई असामाजिक तत्व माहौल न बिगाड़ सके।

जिला प्रशासन द्वारा कावड़ मार्ग में जगह-जगह पेयजल व सचल शौचालय की सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए टैंकरों, वाटर एटीएम और सचल (मोबाइल) शौचालयों की व्यवस्था की जाती है। वहीं हर कुछ किलोमीटर पर एम्बुलेंस सुविधा, डॉक्टरों की टीम और प्राथमिक उपचार केंद्र तैनात रहते हैं। इसमें सामाजिक, स्वयंसेवी और धार्मिक संस्थाओं का योगदान (जनसेवा ही शिवसेवा)कांवड़ यात्रा का वास्तविक सौंदर्य समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी और निःस्वार्थ सेवा भाव में दिखाई देता है। पूरे कांवड़ मार्ग पर हजारों कांवड़ सेवा शिविर लगाए जाते हैं। मार्ग में निःशुल्क भोजन एवं विश्राम शिविर लगाए जाते हैं, जहाँ कांवड़ियों को गर्म-ताजा सात्विक भोजन, फलाहार, दूध और विश्राम हेतु गद्देदार बिस्तर उपलब्ध कराए जाते हैं। यही नहीं दिन-रात सैकड़ों किलोमीटर चलने से कांवड़ियों के पैरों में छाले और मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है, तो स्वयंसेवक और डॉक्टर दवाइयों के साथ-साथ निःशुल्क मालिश, गर्म पानी की सेकाई और पट्टियों की व्यवस्था करते हैं। इन शिविरों में जाति, धर्म, ऊँच-नीच का भेद समाप्त हो जाता है। सेवा करने वाले स्वयंसेवक कांवड़ियों को 'भोले' कहकर संबोधित करते हैं और उनके चरण स्पर्श कर सेवा करने में गर्व महसूस करते हैं, जो सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इसके अलावा यूपी की योगी सरकार व अन्य राज्यों की सरकारों द्वारा शिवभक्तों के स्वागत में कांवड़ मार्गों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाती है। (विभूति फीचर्स)

मंत्रिपरिषद की बैठक : छग एआई मिशन को मंजूरी, 500 करोड़ होंगे खर्च

रायपुर, 05 अगस्त (हि.स.)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस मिशन के तहत 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। यह मिशन भारत सरकार के इंडिया एआई मिशन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी। मंत्रिपरिषद के इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन,

ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक, बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा, जिसके बाद अन्य निर्माण एवं अधोसंरचना विभागों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान की प्रक्रिया तेज होगी, कार्यों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी और परियोजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनेगा। मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत बारहमासी सड़कों के निर्माण हेतु जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। संशोधनों के तहत ग्रामीण आंतरिक गलियों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा सड़क निर्माण से पूर्व मनरेगा से मिट्टी कार्य की अनिवार्यता समाप्त की गई है। योजना की पात्रता का दायरा बढ़ाकर ऐसे सभी ग्रामीण मार्गों को शामिल किया गया है, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा अन्य योजनाओं में सम्मिलित नहीं हैं। आवश्यकता अनुसार नाबार्ड ऋण, पर्यावरण एवं अधोसंरचना विकास मद, खनिज न्यास मद सहित अन्य स्त्रोतों से भी वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। कार्यों का अनुमोदन प्रशासनिक विभाग करेगा तथा क्रियान्वयन की समीक्षा एवं अंतर्विभागीय समन्वय के लिए राज्यस्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी। मंत्रिपरिषद् ने वित्त विभाग के उस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है, जिसके तहत एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के क्रियान्वयन हेतु 'अंजोर लाइट (अंजोर लिंक्ड इंपलिमेंटेशन एंड गाइडेंस फॉर होलिस्टिक ट्रेकिंग)'' तकनीकी सहायता परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये का पूर्णतः अनुदान प्राप्त किया जाएगा। यह तीन वर्ष (एक दिसंबर 2026 से 30 नवंबर 2029) की बहु-क्षेत्रीय परियोजना है, जिसमें राज्य शासन अथवा भारत सरकार का कोई वित्तीय अंशदान नहीं होगा। परियोजना के अंतर्गत सार्वजनिक वित्त प्रबंधन को सुदृढ़ करना, पीपीपी इकोसिस्टम का विकास, ग्रीन एवं ब्लेंडेड फाइनेंस को बढ़ावा देना, राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यक्षमता में सुधार, क्लाइमेट-रेजिलिएंट परियोजनाओं का विकास तथा छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अनुरूप प्राथमिकता आधारित परियोजनाओं की पाइपलाइन तैयार की जाएगी। इसके लिए परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना पूर्णतः अनुदान आधारित होने से राज्य पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा तथा इससे संस्थागत क्षमता निर्माण, निवेश संवर्धन और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति को गति मिलेगी। मंत्रिपरिषद् ने राज्य योजनाओं के लिए स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की राशि का अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। अब योजनाओं की राशि विभिन्न बैंक खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगी, बल्कि एक केंद्रीकृत मदर अकाउंट के माध्यम से आवश्यकता होने पर ही सीधे हितग्राहियों या वेंडरों को भुगतान किया जाएगा। यह मॉडल भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में लागू एसएनए प्रणाली की तर्ज पर राज्य की योजनाओं में भी लागू किया जाएगा, जिससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को और मजबूती मिलेगी।

इस व्यवस्था से योजनाओं के क्रियान्वयन की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी, वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा और निष्क्रिय राशि, गबन तथा बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही, राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी, ब्याज का अनावश्यक बोझ कम होगा और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को आमजन एवं संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 200 करोड़ रूपये तक के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर/बॉन्ड जारी कर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से कंपनी के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने के नए विकल्प उपलब्ध होंगे, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा राज्य के विद्युत अवसंरचना विकास को और गति मिलेगी।

धौलपुर पुलिस ने प्रथम बुधवार साइबर जागरूकता दिवस पर स्कूलों में छात्रों को साइबर ठगी से बचाव के गुर सिखाए

धौलपुर (निज संवाददाता)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार माह के प्रथम बुधवार को आयोजित साइबर जागरूकता दिवस' के अवसर पर धौलपुर पुलिस द्वारा जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में सायबर थाना धौलपुर सहित जिले के सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमों ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने छात्र छात्राओं को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए ऑनलाइन सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों से अवगत कराया। विद्यार्थियों को बताया गया कि अनजान मोबाइल कॉल फर्जी बैंक अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करना संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग फर्जी निवेश योजनाएं डिजिटल अरेस्ट ऑनलाइन गेमिंग एवं अन्य साइबर ठगी के तरीकों से कैसे बचा जा सकता है। पुलिस टीमों ने विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग मजबूत पासवर्ड बनाने टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करने सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर समय रहते शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की भी विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि साइबर ठगी होने की स्थिति में त्वरित शिकायत करने से धनराशि वापस मिलने की संभावना अधिक रहती है।पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक संदिग्ध अथवा असुरक्षित गतिविधि की सूचना बिना किसी झिझक के पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। धौलपुर पुलिस ने विद्यार्थियों से डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने अफवाहों एवं फर्जी सूचनाओं से बचने तथा साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने का आह्वान किया। साथ ही सभी से अपील की गई कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार एवं समाज को भी साइबर अपराधों एवं महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। धौलपुर पुलिस का संदेश है कि जागरूकता ही साइबर अपराधों एवं अन्य अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। सुरक्षित रहें, सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

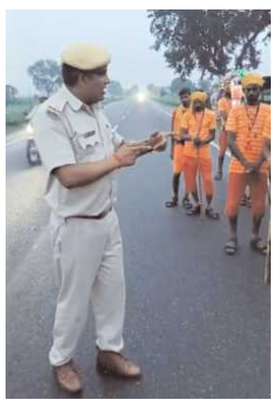

कांवड़ यात्रियों एवं पदयात्रियों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जा रहा जागरूक पुलिस दे रही सुरक्षित यात्रा का संदेश

धौलपुर (निज संवाददाता)। पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार श्रावण एवं भाद्रपद माह में निकलने वाली कांवड़ यात्राओं एवं विभिन्न पदयात्राओं के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धौलपुर पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिसकर्मी कांवड़ यात्रियों एवं पैदल श्रद्धालुओं को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में लगातार समझाइश दे रहे हैं। अभियान के दौरान पुलिसकर्मी कांवड़ यात्राओं के आयोजकों एवं श्रद्धालुओं को सड़क के दाहिनी ओर चलने यातायात नियमों का पालन करने अनावश्यक रूप से सड़क पर फैलाव नहीं करने तथा सुरक्षित तरीके से यात्रा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता के माध्यम से श्रद्धालुओं को बताया जा रहा है कि सड़क के दाहिनी ओर चलने से सामने से आने वाले वाहनों पर नजर बनी रहती है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कम होती है। इसके अतिरिक्त धौलपुर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी आमजन एवं कांवड़ यात्रियों को सड़क सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक हो सकें धौलपुर पुलिस आमजन एवं श्रद्धालुओं से अपील करती है कि कांवड़ यात्रा एवं पदयात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें। सड़क के दाहिनी ओर चलें तथा स्वयं सुरक्षित रहते हुए दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

विप्र महासभा ने कलेक्टर श्रीनिधि बीटी को सौंपा ज्ञापन पंचायत निकाय चुनावों में EWS वर्ग को आरक्षण देने की मांग की

धौलपुर (निज संवाददाता)। विप्र महासभा के जिला अध्यक्ष प्रशांत तिवारी के नेतृत्व में बुधवार को धौलपुर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में पंचायत एवं निकाय चुनावों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्वङ्कस् को आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करने की मांग की गई,ज्ञापन में कहा गया कि पंचायत राज एवं नगरीय निकाय चुनावों में ईडब्ल्यूएस वर्ग को संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप आरक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को भी स्थानीय स्वशासन में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके इस अवसर पर बड़ी संख्या में विप्र समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे ज्ञापन देने वालों में पत्रकार रनीश तिवारी बार अध्यक्ष हरिओम शर्मा गिरीश शर्मा ऋषिकेश भारद्वाज नीतेश मुद्गल राजू शर्मा मोंटी तिवारी विनोद शर्मा रोहित परमार विनय ब्राह्मण हरेंद्र शर्मा मोनू शर्मा सोनू शर्मा सहित अन्य समाजजन मौजूद रहे विप्र महासभा जिला अध्यक्ष प्रशांत तिवारी ने कहा कि ईडब्ल्यूएस वर्ग को पंचायत एवं निकाय चुनावों में आरक्षण दिए जाने से सामाजिक न्याय को मजबूती मिलेगी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की भागीदारी स्थानीय शासन में बढ़ेगी

धौलपुर में लग्जरी व स्लीपर बसों की सघन जांच सुरक्षा मानकों में मिलीं गंभीर खामियां अनियमित बसों पर कार्रवाई के निर्देश

धौलपुर (निज संवाददाता)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशों तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर के मार्गदर्शन में राज्यव्यापी विशेष निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान के तहत मंगलवार को सागरपाड़ा चौकी पर लग्जरी एवं स्लीपर बसों का संयुक्त निरीक्षण किया गया अभियान का नेतृत्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रेखा यादव ने किया। निरीक्षण मोटर वाहन अधिनियम-1988, ढ्डस्-119 (ऋक्ष1.1): 2016 तथा राज्य सरकार की एसओपी-2024 के प्रावधानों के अनुरूप किया गया। संयुक्त निरीक्षण दल ने बसों की यांत्रिक स्थिति एवं यात्री सुरक्षा मानकों की गहन जांच की। इस दौरान वाहनों की लंबाई चौड़ाई एवं ऊंचाई का सत्यापन पंजीयन प्रमाण-पत्र परमिट चेसिस नंबर मॉडल विवरण संरचनात्मक परिवर्तन चेसिस की स्थिति टायरों का घिसाव लगेज स्पेस सीट क्षमता आपातकालीन निकास अग्निशमन यंत्र तथा अन्य सुरक्षा उपकरणों की विस्तार से जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई बसों में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अनेक वाहनों में अग्निशमन यंत्र या तो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिले अथवा अनुपयोगी अवस्था में पाए गए। अधिकांश बसों के आपातकालीन निकास द्वार निर्धारित आकार से छोटे मिले तथा उन पर स्पष्ट एवं प्रकाशमान संकेतक भी नहीं थे। कई बसों में यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिए असुरक्षित सीढ़ियां तथा संकरे प्रवेश द्वार पाए गए जिससे दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है इसके अलावा कई बसों में प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध नहीं थी। पंजीयन प्रमाण-पत्र फिटनेस परमिट बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी कई वाहनों में अपूर्ण या अनुपलब्ध मिले। रात्रिकालीन सुरक्षा के लिए आवश्यक रिफ्लेक्टर एवं परावर्तक टेप का अभाव भी कई वाहनों में पाया गया। सचिव रेखा यादव ने सभी बस संचालकों एवं वाहन स्वामियों को निर्देश दिए कि वे सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक उपकरण तत्काल स्थापित करें अग्निशमन यंत्रों को कार्यशील रखें आपातकालीन निकासों को मानकानुसार विकसित करें प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराएं तथा सभी वैध दस्तावेज अद्यतन रखें उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन बसों में गंभीर सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं पाई गई हैं, उनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में भी नियमित निरीक्षण एवं विशेष अभियान चलाकर यात्री सुरक्षा और सड़क सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शैला फौजदार जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव परिवहन निरीक्षक दीपक शर्मा एसआई यातायात महेश चंद एसआई मुकेश सिकरवार स्टेनो राहुल डंडौतिया कनिष्ठ सहायक संदीप तथा कोतवाली थाना पुलिस की टीम उपस्थित रही।

लोकसभा में नियम 377 के अधीन सांसद राजकुमार चाहर ने उठाई आगरा-खेरागढ़-जगनेर-तांतपुर-बयाना रेल लाइन को वित्तीय स्वीकृति देने की मांग

आगरा (निज संवाददाता)। लोकसभा के मानसून सत्र के दौरान फतेहपुर सीकरी से सांसद एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने नियम 377 के अधीन आगरा-खेरागढ़-जगनेर-तांतपुर होते हुए बयाना तक प्रस्तावित नई रेल लाइन परियोजना का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार एवं रेल मंत्रालय का ध्यान इस महत्वपूर्ण जनहित विषय की ओर आकर्षित करते हुए परियोजना को शीघ्र वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने तथा निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की मांग की।

सांसद राजकुमार चाहर ने सदन में कहा कि आगरा-खेरागढ़-जगनेर-तांतपुर-बयाना नई रेल लाइन परियोजना का सर्वेक्षण वर्ष 2024 में पूर्ण हो चुका है, किंतु अभी तक इसे वित्तीय स्वीकृति प्राप्त नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि यह विषय पूर्व में भी लोकसभा में उठाया जा चुका है तथा रेल मंत्रालय से लगातार इस परियोजना को स्वीकृति देने का अनुरोध किया जाता रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित रेल लाइन उत्तर प्रदेश के आगरा जनपद के फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ राजस्थान के धौलपुर, भरतपुर, बयाना, हिण्डौन, करौली एवं आसपास के क्षेत्रों की लाखों जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस रेल मार्ग के निर्माण से क्षेत्रीय रेल संपर्क सुदृढ़ होगा तथा लोगों को बेहतर और सुगम परिवहन सुविधाएं प्राप्त होंगी।

सांसद ने कहा कि नई रेल लाइन प्रारंभ होने से कृषि, व्यापार, पर्यटन, लघु एवं कुटीर उद्योगों को नई गति मिलेगी। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा। विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों, श्रमिकों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सुलभ एवं किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

श्री चाहर ने सदन के माध्यम से माननीय रेल मंत्री से आग्रह किया कि जनभावनाओं से जुड़ी इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को शीघ्र वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाए तथा आवश्यक बजटीय प्रावधान कर निर्माण कार्य अविलंब प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने कहा कि इस रेल लाइन के निर्माण से आगरा एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिलेगी और क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग पूरी होगी।

आगरा कैंट स्टेशन के द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का हुआ नवीनीकरण, यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

आगरा (निज संवाददाता)। यात्रियों को अधिक आरामदायक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आगरा मंडल द्वारा आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय (सेकंड क्लास वेटिंग हॉल) का नवीनीकरण (रिनोवेशन) किया गया है।

मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में किए गए इस कार्य के अंतर्गत प्रतीक्षालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यात्रियों के लिए बेहतर एवं आरामदायक सीटिंग व्यवस्था, चेंजिंग रूम, शिशु आहार कक्ष, नए पंखे, मोबाइल चार्जिंग बोर्ड, बेहतर प्रकाश व्यवस्था तथा स्वच्छ एवं आकर्षक वातावरण उपलब्ध कराया गया है, जिससे प्रतीक्षा के दौरान यात्रियों को अधिक सुविधा मिल सके।

इसके अतिरिक्त, दिव्यांग यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए अलग से सुलभ शौचालय (एक्सेसिबल टॉयलेट) की व्यवस्था भी की गई है, जिससे सभी यात्रियों को समान एवं सुविधाजनक सेवाएं प्राप्त हो सकें।

आगरा मंडल यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन के कार्य निरंतर जारी हैं।

दिव्यांग सुनील को मिली पेंशन की सौगात गढ़ी खिराना के फॉलोअप शिविर में हाथों-हाथ स्वीकृत हुई पेंशन

धौलपुर (निज संवाददाता)। राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन को मौके पर ही राहत प्रदान की जा रही है। प्रशासन की सक्रियता और जनसेवा के प्रति समर्पण का एक सुखद परिणाम ग्राम पंचायत गढ़ी खिराना में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के फॉलोअप कैंप में देखने को मिला जहां एक दिव्यांग जन की फरियाद पर न केवल तुरंत सुनवाई हुई बल्कि हाथों-हाथ उसे नई पेंशन की सौगात भी दे दी गई। राज्य सरकार की मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा गांव-ढाणी तक लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए आयोजित किए जा रहे इन ग्रामीण सेवा शिविरों की प्रासंगिकता तब और सिद्ध हो गई जब गढ़ी खिराना के फॉलोअप शिविर में गांव के ही निवासी एक दिव्यांग जन सुनील पुत्र रामसिंह अपनी समस्या लेकर अधिकारियों के समक्ष पहुंचे। सुनील ने अधिकारियों को अवगत कराया कि शारीरिक रूप से अक्षम होने के कारण उन्हें आर्थिक संबल की अत्यंत आवश्यकता है, लेकिन किन्हीं कारणों से अब तक उनकी पेंशन शुरू नहीं हो पाई है। जैसे ही उनका यह आवेदन शिविर प्रभारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष पहुंचा मौके पर मौजूद कार्मिकों को तुरंत सुनील के दस्तावेजों की जांच के लिए निर्देशित किया गया। अधिकारियों और कार्मिकों ने आपसी समन्वय से बिना किसी देरी के कागजी कार्यवाही पूरी की और मात्र कुछ ही समय में शिविर स्थल पर ही सुनील की पेंशन स्वीकृत कर दी गई। बरसों की उम्मीद जब चंद घंटों में पूरी हुई, तो सुनील के चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान तैर गई। सुनील ने इस त्वरित राहत के लिए राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और जिला प्रशासन के सहयोगी रवैये का हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रदेष में 2101 करोड़ की लागत से 3232 सड़कों का निर्माण होगा

हर गांव कस्बे और षहर को गुणवत्तापूर्ण सड़क से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता-उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

धौलपुर के 4 विधानसभा क्षेत्रों में 39.52 करोड़ की लागत से 128.05 किमी लम्बाई की 81 सड़के बनेंगी

धौलपुर (निज संवाददाता)। प्रदेष में बेहतरीन सड़क कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बजट घोषणा 2026-27 की क्रियान्विति में प्रदेष के 187 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 3232 सड़कों की स्वीकृति प्रदान की है सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 2 हजार 101.16 करोड़ की लागत से प्रदेष में 6418.43 किमी. की मिसिंग लिंक और नॉन पेचेबल सड़कों का निर्माण करवाया जायेगा। इससे उन क्षेत्रों को सीधा फायदा मिलेगा जहाँ अभी तक सड़क संपर्क कमजोर है उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान में नॉन-पेचेबल एवं मिसिंग लिंक सड़कों के 3,232 विकास कार्यों के लिए लगभग 2,101.16 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदेश में सड़क संपर्क को सुदृढ़ करने आवागमन को सुगम बनाने तथा विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल के कुशल नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत अवसंरचना को सशक्त बनाने के लिए निरंतर ऐतिहासिक निर्णय लिए जा रहे हैं। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण सड़क नेटवर्क पहुंचाने और विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुरैना: शराब के लिए रुपये मांगने के विवाद में युवक को गोली मारी, चार आरोपितों पर मामला दर्ज

मुरैना, 05 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के सिहोनिया थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने को लेकर हुए विवाद में एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया गया। गोली युवक की पीठ में लगी है। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल के बयान के आधार पर चार आरोपितों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सिहोनिया निवासी सीता तोमर (32) बुधवार सुबह सेंट्रल बैंक से रुपये निकालकर घर लौट रहे थे। ककनमठ रोड स्थित एक खेत के पास पहले से मौजूद तीन-चार लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि आरोपितों ने शराब पीने के लिए रुपये मांगे। रुपये देने से इनकार करने पर विवाद बढ़ गया और एक आरोपित ने पिस्टल से फायर कर दिया। गोली सीता तोमर की पीठ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल सिहोनिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल मुरैना रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है।

घायल सीता तोमर ने पुलिस को दिए बयान में डब्बू तोमर, बिल्लू तोमर तथा उनके साथियों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरोपित पहले भी उनके घर पर हमला कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान जान बचाने के लिए वह भागे और झाड़ियों में छिप गए, जबकि आरोपित उनकी तलाश करते रहे। घटना की सूचना मिलते ही सिहोनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश तथा शराब के लिए रुपये मांगने के विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डाबर ने बताया कि सिहोनिया थाना क्षेत्र में एक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी। घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गुजरात से युवक का शव गांव मे पहुंचते ही परिजनों में मचा कोहराम, पत्रकारों के जिला कमेटी ने दी आर्थिक सहायता

संवाददाता दीपक भारती

पत्रकार आजमगढ़

आजमगढ़ (निज संवाददाता)। आजमगढ़ जनपद के तहसील निजामाबाद के सरायमीर थाना अंतर्गत कोरौली बुजुर्ग गांव में गुजरात प्रान्त से एक 30 वर्षीय युवक का शव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। मृतक इंद्रेश की मां मंजू देवी व बहन शव देखकर दहाड़े मार कर रोने लगी। परिजनों के विलाप से हर कोई की आंखें नम हो गई।

लोगों को विश्वास नहीं हो पा रहा था कि इंद्रेश कम समय में ही इस दुनिया को छोड़कर चला जाएगा। जबकि उसकी शादी भी तय हो गई थी। लोग शादी की तैयारी में जुटे हुए थे, लेकिन परिजनों को क्या पता कि यह शादी की तैयारी एक दिन मातम में बदल जाएगी। गांव में सन्नाटा छाया हुआ है।

शव यात्रा में काफी लोग अंतिम दर्शन करने के लिए जुटे रहे।विदित है कि तहसील निजामाबाद के सरायमीर थाना अंतर्गत कोरौली गांव निवासी इंद्रेश कुमार पुत्र विनोद कुमार उम्र लगभग 30 वर्ष परिजनों की माली हालत देखते हुए गुजरात में किसी कंपनी में नौकरी करता था।

तीन दिन पूर्व पिता विनोद कुमार को गुजरात से फोन आया कि आपके लड़के का एक्सीडेंट हो गया है,इंद्रेश के पिता घबराकर किसी तरह गुजरात पहुंचे, उन्होंने घायल इंद्रेश को सिविल अस्पताल वलसाड गुजरात में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि0 के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के प्रयास से गुजरात पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करा कर शव को घर भेज दिया। मृतक का शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता विनोद कुमार पत्रकारिता जगत से जुड़े हैं। परिजनों के अनुसार मृतक इंद्रेश की मौत को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

लोग खबर पाकर उनके घर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंच गए। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि0 आजमगढ़ की जिला कमेटी भी घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता प्रदान किया। इस दौरान जिला संरक्षक श्रवण कुमार, जिला अध्यक्ष संजय कुमार, जिला प्रभारी कमलेश चौहान, जिला उपाध्यक्ष तूफानी चौहान, जिला संगठन मंत्री दीपक लाल, आईटी सेल प्रभारी सादिक उस्मानी, जिला प्रवक्ता संजू, राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जिला संगठन मंत्री दीपक भारती पत्रकार आजमगढ़, जिला महासचिव महेश कुमार, जिला सचिव रामशब्द, जिला महासचिव सरफराज, जिला सचिव,अनिकेत पाण्डेय , जिला सचिव अजय चौहान,अनुराग उपाध्याय,

अभिषेक सिंह, राकेश यादव,सौरभ गुप्ता पत्रकार आदि सहित काफी लोग मौके पर उपस्थित रहे।

ग्वालियरी अग्रवाल समाज मुरार की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सुंदरकांड पाठ के साथ संपन्न

अशोक सोनी ग्वालियर-/9977699599

ग्वालियर। ग्वालियरी अग्रवाल समाज मुरार की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक को गिर्राज मंदिर के समीप स्थित अग्रसेन भवन में सुंदरकांड पाठ के भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता मुन्नालाल गोयल, अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष व चेंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त अध्यक्ष सुरेश बंसल, अग्रवाल महासभा के महामंत्री रवि गर्ग और चेंबर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे। इसके साथ ही वरिष्ठ समाजसेवी पारस जैन, राकेश मित्तल, नरेंद्र अग्रवाल (गुहिसर वाले) ओमप्रकाश गोयल और नवनियुक्त कोषाध्यक्ष नेमीचंद अग्रवाल भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण और सुंदरकांड पाठ के साथ की गई। नवीन कार्यकारिणी की इस पहली बैठक में समाज हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई, जिस पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताई।इस अवसर पर ग्वालियरी अग्रवाल समाज मुरार के नवनियुक्त अध्यक्ष पदमचंद जैन सर्राफ ने समाज को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं समाज के हर व्यक्ति के साथ हर परिस्थिति में पूरी मजबूती से खड़ा रहूंगा।' उन्होंने आगे मुस्कुराते हुए कहा कि आज मौसम बहुत सुहाना है, इसलिए बैठक के बाद सभी सदस्य मिलकर प्रसिद्ध 'दाल-टिक्कर' के भोज का भी आनंद लेंगे।बैठक का कुशल संचालन महामंत्री बालकिशन अग्रवाल 'बंटी' ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी समाज बंधुओं का आभार पवन विदल द्वारा व्यक्त किया गया।

कोतवाली पुलिस व्दारा मजदूरों के साथ घर में घुसकर मारपीट करने एवं तोडफोड करने के अपराध क्रमांक 590/26 में दो आरोपियो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया एवं जेल भेजा गया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। दिनांक फरियादी अंकित कुमार पुत्र राजकुमार उम्र 36 साल नि0 हुसैनगंज थाना पटरंगा जिला फैजाबाद यूपी ने अज्ञात आरोपियो व्दारा घर में घुसकर मारपीट करने एवं तोडफोड करने की रिपोर्ट की थी जो फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना कोतवाली पर अप0क्र0 590/26 धारा 331(6),296(ए), 115(2), 324(2), 3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया व्दारा प्रकरण में अज्ञात आरोपियों की पतारसी कर गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया जिसके पालन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन कुमार धुर्वे के मार्ग निर्देशन में कोतवाली टीआई रोहित दुबे व्दारा अज्ञात आरोपियों की पतारसी कर गिरफ्तारी हेतु टीम बनायी गयी जो टीम व्दारा घटना स्थल के सीसीटीव्ही फुटेज देखे गये एवं प्रकरण के साक्षियों के कथनो के आधार पर अज्ञात आरोपीगण की पहचान अभिषेक खटीक पुत्र रघुवीर खटीक उम्र 22 साल नि0 दुबे नर्सरी के पास एवं संदीप शर्मा पुत्र राधेश्याम शर्मा उम्र 23 साल नि0 आशीवांद हॉस्पीटल के पास फतेहपुर रोड के रुप में हुयी जो प्रकरण के आरोपीगण को दिनांक 05.08.26 को गांधी पार्क मानस भवन के पास से गिरफ्तार किया गया एवं आरोपीगण को माननीय न्यायालय पेश किया गया जहाँ से जेल वारंट बनने से आरोपीगण को जेल भेजा गया। प्रकरण में शेष आरोपीगण के पहचान की जा चुकी है जिनकी शीघ्र ही गिरफ्तारी की जावेगी।

सराहनीय भूमिका:. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक रोहित दुबे, उनि0 अरविन्द छारी, उनि0 आदित्य प्रताप सिंह राजावत, उनि सुमित शर्मा, उनि0 मुरारी यादव, उनि0 विवेक भट्ट, आर. 767 अजीत राजावत, आर. 631 अजय यादव की विशेष भूमिका रही।

म.प्र. शिक्षक संघ की मुरैना ब्लॉक में प्रारंभ हुई सदस्यता

शिक्षकों की समस्याओं को लेंगे गंभीरता से – रामवरन सिंह सिकरवार

मुरैना (निज संवाददाता)। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की वार्षिक सदस्यता अभियान के अंतर्गत मुरैना ब्लॉक में सदस्यता अभियान का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षकों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री रामवरन सिंह सिकरवार ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके सदस्यों से होती है। शिक्षक एकजुट होकर अपनी समस्याओं को संगठन के माध्यम से मजबूती से उठाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा तथा उनके निराकरण के लिए संगठन हर स्तर पर प्रभावी प्रयास करेगा।

उन्होंने कहा कि सदस्यता केवल संगठन से जुड़ने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि शिक्षक हितों की रक्षा के लिए एकजुट होने का माध्यम है। संगठन शिक्षकों के सम्मान, अधिकार और विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्षरत रहेगा।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री पवन सिंह परिहार ने शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में संगठन की सदस्यता ग्रहण करने का आह्वान करते हुए कहा कि मजबूत सदस्यता से ही संगठन की आवाज शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती है।आज की सदस्यता में मुख्य रूप सेजिले की सदस्यता में कोषाध्यक्ष श्रीमती बिंदु सोलंकी उपाध्यक्ष पीके त्यागी ,तहसील अध्यक्ष सीडी पिप्पल,प्राचार्य उदयवीर सिंह सिकरवार , सुदामा , पुलेन्द्र गुर्जर , रंजीत वर्मा, राकेश मावई, मनोज शर्मा, पुष्पेन्द्र मौर्य, सुधीर तोमर, अन्वेश उपाध्याय, चतुर सिंह भदौरिया, राजू, राधा यादव, ममता रावत, प्रेमलता गोयल , आदि शामिल हुए।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट का आरोप, पति सहित चार पर मामला दर्ज

मानसिक प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, विजयपुर थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं में एफआईआर

श्योपुर/विजयपुर

विजयपुर थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर उसके पति, सास, ससुर और ननद के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम मढ़ा निवासी 22 वर्षीय नीलम पुत्री सोनेराम कुशवाह ने शिकायत दर्ज कराई कि 21 अप्रैल 2025 से 4 अगस्त 2026 के बीच उसकी ससुराल ग्राम बेरखेड़ा (जिला मुरैना) में सास राजवती कुशवाह, ससुर अमृतलाल कुशवाह, पति लवकुश कुशवाह और ननद ज्योति कुशवाह द्वारा लगातार दहेज की मांग की जाती रही। शिकायत में आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की गई, गाली-गलौज कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर विजयपुर थाना पुलिस ने 4 अगस्त 2026 को अपराध क्रमांक 276/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 296ए, 351(2) एवं 3(5) के तहत मामला कायम कर लिया है। पुलिस ने प्रकरण की विवेचना शुरू कर दी है।

जनपद सीईओ पर कमीशन मांगने और जातिसूचक गाली देने का आरोप, सरपंच पहुंची थाने

नहरखेड़ा की महिला सरपंच ने गसवानी थाने में दिया आवेदन, भुगतान रोकने और मानसिक प्रताड़ना का लगाया आरोप

श्योपुर/विजयपुर (निज संवाददाता)। जनपद पंचायत विजयपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) दीपक धाकड़ पर ग्राम पंचायत नहरखेड़ा की महिला सरपंच मीना आदिवासी ने कमीशन मांगने, जातिसूचक अपशब्द कहने तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर सरपंच ने गसवानी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायती आवेदन के अनुसार, घटना 4 अगस्त 2026 को शाम करीब 3.30 बजे की बताई गई है। सरपंच मीना आदिवासी का आरोप है कि सीईओ दीपक धाकड़ ग्राम नहरखेड़ा पहुंचे और उन्हें बुलाया। इस दौरान उन्होंने पंचायत में कराए गए विकास कार्यों के लंबित बिलों के भुगतान की बात रखी। आरोप है कि सीईओ ने कहा कि पहले कमीशन दो, उसके बाद भुगतान होगा। शिकायत में सरपंच ने कहा है कि जब उन्होंने स्वयं को गरीब आदिवासी महिला बताते हुए पैसे देने में असमर्थता जताई तो सीईओ ने कथित रूप से जातिसूचक गालियां दीं और कहा कि ष्जब तक मेरा कमीशन नहीं मिलेगा, तब तक कोई भुगतान नहीं होगा। सरपंच का आरोप है कि इस घटना से उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया है। उन्होंने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी सीईओ विजयपुर की होगी। घटना के बाद सरपंच मीना आदिवासी गसवानी थाने पहुंचीं और सीईओ दीपक धाकड़ के विरुद्ध लिखित शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा कानूनी कार्रवाई की मांग की।

फिलहाल यह शिकायत सरपंच द्वारा लगाए गए आरोपों पर आधारित है। मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक जनपद पंचायत के सीईओ दीपक धाकड़ का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

खनिज विभाग ने अवैध रेत भण्डारण का किया विनष्टीकरण

- राजस्व एवं पुलिस के सहयोग से केशव पार्क के समीप हुई कार्रवाई

भिण्ड (निज संवाददाता)। अवैध खनिज उत्खनन एवं भण्डारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने राजस्व तथा पुलिस अधिकारियों के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध रेत भण्डारण का विनष्टीकरण किया।

जानकारी के अनुसार बैसली डेम के पास स्थित केशव पार्क के बगल में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से रेत का भण्डारण किया गया था। सूचना मिलने पर खनिज विभाग की टीम राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अवैध रेत भण्डारण को नष्ट कराया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुरैना में भ्रष्टाचार की शिकायत करने पर सरपंच पति ने घर पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

मुरैनाः जनपद पंचायत पोरसा की ग्राम पंचायत भदावली के निवासी छिद्दी सिंह तोमर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मनरेगा और अन्य पंचायत कार्यों में भारी भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। इस बात से रंजिश रखते हुए सरपंच राखी तोमर के पति भूपेंद्र सिंह तोमर ने उसी रात बंदूक लेकर छिद्दी सिंह के घर पर धावा बोल दिया और अंधाधुंध गोलियां बरसाईं गनीमत यह रही कि घटना के वक्त पीड़ित परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सुरक्षित थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ित परिवार की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नगरा थाना पुलिस ने आरोपी भूपेंद्र सिंह तोमर के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मौ पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी : मृतक के भाई और दामाद गिरफ्तार

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिले के मौ थाना पुलिस ने ग्राम घमूरी में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी का पर्दाफाश करते हुए मृतक के सगे छोटे भाई और दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों ने मिलकर पहले मृतक को जहरीला पदार्थ पिलाया, फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पुलिया के नीचे फेंक दिया। मामले में पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार, जहर की शीशी, साफी तथा मृतक का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार गत 22 जुलाई को सूचना मिली थी कि ग्राम घमूरी की पुलिया के पास खेत में अतर सिंह जाटव उम्र 45 वर्ष) पुत्र लल्लू सिंह जाटव, निवासी ग्राम घमूरी का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर मौ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग क्र.33/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान परिजनों एवं अन्य लोगों के बयान लिए गए। परिस्थितियों के आधार पर हत्या की पुष्टि होने पर अपराध क्र.153/2026 धारा 103(1), 238(ए) एवं 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा एसडीओपी गोहद महेन्द्र सिंह गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रघुवीर मीणा ने विशेष पुलिस टीम गठित की। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सक्रिय मुखबिर तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। संदेह के आधार पर मृतक के सगे छोटे भाई और दामाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें दोनों ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 20 जुलाई की रात लगभग 9:30 बजे उन्होंने घर के आंगन में अतर सिंह को जबरन जहरीली दवा पिलाई। इसके बाद साफी से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को चार पहिया एस्टर कार की डिग्गी में रखकर दामाद अपने घर ले गया, जहां पूरी रात शव कार में ही रखा रहा। अगले दिन दोनों आरोपी उसी कार से दंदरौआ मन्दिर दर्शन करने गए और रात में लौटते समय ग्राम घमुरी के पास पुलिया के नीचे शव फेंक दिया, ताकि हत्या को दुर्घटना या अज्ञात घटना का रूप दिया जा सके। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मृतक का मोबाइल फोन भी रूपावई नदी के पुल से नदी में फेंक दिया था, जिसे बरामद कर लिया गया है।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कार, जहर की शीशी, साफी और मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस अंधे कत्ल का खुलासा करने में थाना प्रभारी निरीक्षक रघुवीर सिंह मीणा, उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह भदौरिया, प्रवेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक शकील मोहम्मद, सुनील शर्मा, महेश कुमार (साइबर सेल), आरक्षक रामबरन, पदम सिंह, अरविन्द सिंह, शत्रुघ्न सिंह गुर्जर, आकाश परिहार, रविकांत शर्मा एवं व्हीडीएस वीर सिंह की विशेष सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने पूरी टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि तकनीकी जांच और सतत प्रयासों के कारण इस जघन्य हत्याकाण्ड का सफलतापूर्वक खुलासा संभव हो सका।

भगवान परशुराम मन्दिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ सुंदरकाण्ड पाठ

भिण्ड (निज संवाददाता)। भगवान परशुराम मन्दिर में ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट की महिला इकाई द्वारा श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक वातावरण के बीच सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला इकाई की अध्यक्ष डॉ. चांदनी शर्मा ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं भगवान श्रीराम तथा पवन पुत्र हनुमानजी के पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकाण्ड का पाठ कर क्षेत्र, समाज एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और विश्व कल्याण की कामना की। पूरे मन्दिर परिसर में भक्ति गीतों एवं जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर डॉ. चांदनी शर्मा ने कहा कि सुंदरकाण्ड का नियमित पाठ व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिक शक्ति का संचार करता है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, एकता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम के समापन पर हनुमानजी की आरती की गई। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने देश, समाज एवं परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए प्रार्थना की। अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश पुरोहित, ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, मुदिता भारद्वाज, सपना दुबे, विक्रम उपाध्याय, सौरभ बौहरे, सूर्यांश शर्मा उपस्थित रहे।

खितौली हत्याकाण्ड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड (निज संवाददाता)। गोहद थाना पुलिस ने खितोली गांव हत्याकाण्ड के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भे दिया है।

जानकारी के अनुसार गत 2 अगस्त को ग्राम खितौली निवासी शहीद खान पुत्र सौहरव खान ने थाना गोहद ने अपने भाई शब्बीर खान की गोली मार कर हत्या करने की शिकायत की थी। जिस पर से 6 आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्र. 165/26 धारा 103(1), 296 (बी), 3(5) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन व एसडीओपी गोहद महेन्द्र कुमार गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गोहद के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान बुधवार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि हत्या का मुख्य आरोपी करबला के आगे गड़रोली रोड पर झोपड़ी में छुपा हुआ है और भागने की फिराक में है। उक्त सूचना से हमराह फोर्स को अवगत कराकर करबला के आगे गड़रोली रोड ग्राम भग्गूपुरा से घेराबंदी कर प्रकरण के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार उसके कब्जे से 12 बोर का देशी कट्टा जब्त किया गया। आरोपी को जेआर पर न्यायालय पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोहद निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, उपनिरीक्षक रवि तोमर, प्रधान आरक्षक सोनू कुमार, संतोष सिंह, रिपुदमन सिंह, आरक्षक भानु तोमर, योगेन्द्र सिंह, बृजेश शर्मा, प्रदीप तोमर, विवेक जाट, सर्वेश तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

6 लाख रुपए कीमती आभूषण के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

भिण्ड (निज संवाददाता)। देहात थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6 लाख रुपए कीमती सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार गत 27 जनवरी को फरियादी गोपाल शर्मा निवासी बस स्टैण्ड भिण्ड ने देहात थाने में शिकायत की कि 24 जनवरी की रात्रि में उसके मकान से अज्ञात चोर ने मकान का ताला तोड़कर करीब 6 लाख रुपए कीमती सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए हैं। जिस पर से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र.51/26 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन व सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में अज्ञात आरोपी की धरपकड़ एवं चोरी गया माल बरामद करने हेतु टीम गठित की गई।

गठित टीम ने घटना स्थल एवं आस-पास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। साथ ही तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से लगातार संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखी गई। पुलिस टीम के सतत प्रयासों के परिणाम स्वरूप बुधवार को सौगात गार्डन के पास भिण्ड से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने उक्त चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही एवं कब्जे से चोरी गए लगभग 6 लाख रुपए मूल्य के आभूषण बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध जिला भिण्ड, मुरैना एवं जालौन (उप्र) में चोरी के लगभग डेढ़ दर्जन प्रकरण पंजीबद्ध हैं। आरोपी से अन्य चोरी की घटनाओं एवं उसके संभावित साथियों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

बरामद मसरूका

चोर के कब्जे सोने की तीन अंगूठी, एक-एक हार, मंगलसूत्र, एक जोड़ी कान के झाले, लटकन वाली बालियां, नाक का फूल, दो नाक की बाली कुल कीमत 6 लाख रुपए की बरामद की गई हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी देहात शिवप्रताप राजावत, उपनिरीक्षक विजय शिवहरे, प्रधान आरक्षक ताराचन्द्र, गुरुदास सोही, जयवीर सिंह, संजय दिनकर, आरक्षक ज्ञानेन्द्र मिश्रा, अजय उपाध्याय, रामकुमार जाट, दिलीप शाक्य, अमानत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

फसल बीमा योजना के प्रचार हेतु कृषक जागरूकता रथ रवाना

- जागरूकता रथ सभी विकास खण्डों, तहसीलों एवं ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर देगा जानकारी

- फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 17 अगस्त की

भिण्ड (निज संवाददाता)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में कृषक जागरूकता रथ को कृषि कार्यालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता रथ 17 अगस्त तक जिले के सभी विकास खण्डों, तहसीलों एवं ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर ऑडियो संदेश, पम्पलेट एवं अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ, बीमा प्रक्रिया तथा फसल बीमा योजना की अ ोजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल बीमा कराने की निर्धारित अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 17 अगस्त तक कर दी गई है।

ऋणी किसानों का प्रीमियम संबंधित बैंक के माध्यम से जमा कराया जाएगा, जबकि अऋणी किसान स्वयं सीएससी केन्द्र, बैंक शाखा या क्राप इंश्योरेंस एप के माध्यम से स्वयं अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के बीमा प्रतिनिधि अथवा कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग एवं भारतीय कृषि बीमा कंपनी (एआईसी ऑफ इंडिया) द्वारा जिले में कृषक जागरूकता रथ का संचालन किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई कि वे इस बढ़ी हुई समय-सीमा का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि से पूर्व अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराएं।

5 सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों ने तहसील कार्यालय पर दिया धरना

भिण्ड (निज संवाददाता)।मप्र पटवारी संघ जिला भिण्ड के तत्वावधान में वर्षों से लंबित 5 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर तहसील कार्यालय भिण्ड में पटवारियों का अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन जारी है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर मांगों का निराकरण नहीं किया गया, सभी पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे।

पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष विनायक सिंह तोमर एवं जिला सचिव सौरभ भदौरिया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कैडर रिव्यू एवं पदोन्नति/ समयमान वेतनमान शासन स्तर पर लंबित कैडर रिव्यू प्रस्ताव को तत्काल लागू करने की मांग की। साथ ही पदोन्नति का लाभ मिलने तक पदोन्नति पद के सापेक्ष समयमान वेतनमान शीघ्र स्वीकृत हो। नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा विगत 25 वर्षों में केवल एक बार (2018 में) आयोजित विभागीय परीक्षा को पुनः शीघ्र आयोजित कराया जाए और पाठ्यक्रम राजस्व विषयों पर आधारित हो। इस दौरान जज प्रोटेक्शन एक्ट में शामिल करने की मांग की है। स्वामित्व योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना एवं फार्मर आईडी कैंप आदि के वर्षों से रुके मानदेय का तुरंत भुगतान हो। भुगतान न होने पर आगामी योजनाओं के बहिष्कार की चेतावनी दी गई है।

धरना प्रदर्शन के दौरान कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रभाकर नरवरिया, दिनकर शर्मा, राहुल शर्मा, रजनीश दीक्षित, सौरभ भदौरिया, धर्मेन्द्र पिप्पल, अनुज, पल्लवी शर्मा, सविता सेंगर, पूर्वा, रेखा सहित जिले के पटवारी उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास में दो आरोपियों को तीन-तीन साल की सजा

- बयान से पलटा फरियादी, न्यायालय ने दिया कार्रवाई का आदेश

भिण्ड (निज संवाददाता)। गोहद के द्वितीय अपर सत्र न्यायालय ने करीब साढ़े चार साल पुराने हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए तीन-तीन साल के सश्रम कारावास और दो-दो हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

अभियोजन के अनुसार 11 फरवरी 2022 की रात करीब 9 बजे गोहद थाना क्षेत्र के खितौली गांव निवासी रवि बघेल अपने घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान सफेद बोलेरो से पहुंचे रामवीर सिंह गुर्जर, तिलक सिंह उर्फ तिलिका उर्फ राघवेन्द्र सिंह गुर्जर और अन्य लोग दिन में हुए विवाद के चलते वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर फायरिंग शुरू कर दी। रवि के अनुसार, रामवीर ने जान से मारने की नीयत से उस पर गोली चलाई, लेकिन वह झुक गया, जिससे गोली उसके सिर के ऊपर से निकल गई। आरोपियों ने घर में घुसने का प्रयास किया, गेट पर फायरिंग की, दरवाजा तोड़ा और ट्रैक्टर की लाइट तथा मोटर साइकिल भी क्षतिग्रस्त कर दी। जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले में गोहद थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया।

बयान से पलटा फरियादी

सुनवाई के दौरान फरियादी अपने पहले दिए गए बयान से मुकर गया लेकिन अदालत ने अभियोजन के अन्य साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। साथ ही फरियादी के खिलाफ झूठी गवाही देने के मामले में कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं।

न्यायालय ने सुनाई सजा

द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश गोहद ने अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए आरोपी रामवीर सिंह गुर्जर और तिलक सिंह उर्फ तिलिका उर्फ राघवेन्द्र सिंह गुर्जर को हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने दोनों को तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास और दो-दो हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई। मामले में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक रीतेश गोयल ने की।

निष्क्रिय पदाधिकारियों पर होगी कार्रवाई, संगठन को सक्रिय बनाएं : रामशेष

भिण्ड। ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल ने नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में शामिल होने के बाद कहा कि जिला कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को सक्रिय होकर कार्य करना होगा।

उन्होंने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, मप्र प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सांसद संजना जाटव सहित वरिष्ठ नेताओं ने संगठन विस्तार, आगामी राजनीतिक रणनीति एवं जनहित के मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया। बघेल ने कहा कि निष्क्रिय ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, वार्ड एवं पंचायत कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष तत्काल सक्रिय होकर संगठनात्मक दायित्व निभाएं। जो पदाधिकारी कार्य नहीं करेगा, उसकी रिपोर्ट एआईसीसी एवं पीसीसी को भेजी जाएगी, जिस पर हाईकमान निर्णय करेगा। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है और संगठन की मजबूती ही सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दतिया रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

भारतीय रेल द्वारा ज्योति स्नान पर्व के अवसर पर यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-ग्वालियर खंड के **दतिया रेलवे स्टेशन** पर दिनांक 08.08.2026 से 16.08.2026 तक निम्नलिखित रेलगाड़ियों को 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

क्र. सं.	गाड़ी संख्या एवं नाम	आवृत्ति
1	12405 भुसावल-हजरत निज़ामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस	सप्ताह में 02 दिन
2	12406 हजरत निज़ामुद्दीन-भुसावल गोंडवाना एक्सप्रेस	
3	12807 विशाखपट्टणम-हजरत निज़ामुद्दीन समता एक्सप्रेस	सप्ताह में 05 दिन
4	12808 हजरत निज़ामुद्दीन-विशाखपट्टणम समता एक्सप्रेस	

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1811/26(AK)

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांकः-झाँसी/जीएसयू/टी/टेण्डर जनरल | दिनांकः 01.08.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/उत्तर मध्य रेलवे/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन **(ई-टेन्डरिंग)** के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी.-जी.एस.यू.-2026-08, **कार्य का नामः** अपोइन्मेंट ऑफ जनरल कन्सलटेन्ट्स फोर द ऑफिस ऑफ चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, गति शक्ति यूनिट, झाँसी ऑफ एन.सी. रेलवे।	
अनुमानित लागत : ₹ 3,87,60,976.32	**अमानत राशि :** ₹ 3,43,800.00
निविदा बन्द होने की तिथि : 03.09.2026	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 24 माह।	

नोटः (1) निविदा दिनांक **03.09.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। **(2)** पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। **1786/26 (MG)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

‘मुख्यमंत्री का सांदीपनि विद्यालय में छात्र संवाद‘

विद्यार्थियों के चेहरे पर मुझे दिखता है भारत का भविष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अनुशासन, आत्मविश्वास और मेहनत तय करती है मंजिल

विद्यार्थियों के सपने साकार करेगी मध्यप्रदेश सरकार

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा युवा वर्ग

आज का विद्यार्थी है कल का भारत

कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ किया संवाद

मुख्यमंत्री ने निभाई मास्टर ट्रेनर की भूमिका, विद्यार्थियों को दिये सफलता के टिप्स

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ‘मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की वह कुंजी है, जो विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुँचाती है। आज इन युवाओं के चेहरों पर ही मुझे भारत का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है।’ यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को टी.टी. नगर स्थित कमला नेहरू सांदीपनि शासकीय कन्या विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ आयोजित आत्मीय संवाद कार्यक्रम में कही।

विद्यालय में संवाद के दौरान ‘मास्टर ट्रेनर’ की भूमिका में नज़र आए। उन्होंने छात्राओं को सफलता के अनमोल टिप्स दिए और भरोसा दिलाया कि ‘आज का विद्यार्थी ही कल का भारत है’। विद्यार्थियों के हर सपने को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। ‘विकसित भारत’ के संकल्प को पूरा करने में युवा वर्ग की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अमृतकाल की यह युवा पीढ़ी ही प्रदेश और देश को प्रगति की नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश का अमृतकाल चल रहा है। आज के युवा देश की अमृत पीढ़ी हैं, देश के नवनिर्माता हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना युवा वर्ग मिलकर ही पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि आज यदि युवा के पास कुछ कर गुजरने के बड़े सपने हैं, तो मैं खुद और हमारी पूरी सरकार आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने सपने को पूरा करने के लिए जी-तोड़ मेहनत कीजिए, क्योंकि भविष्य का मध्यप्रदेश और विकसित भारत का सपना आपकी मेहनत से ही साकार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं, लायब्रेरी, संगीत कक्ष, प्रयोगशाला कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का मुआयना किया। विद्यालय की बालिकाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पौधा भेंटकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मैं भी ऐसे ही किसी सरकारी विद्यालय में ही पढ़ा हूं। हमारे समय में स्कूलों में इतनी सुविधाएं नहीं होती थीं। भारत को अपनी शिक्षा व्यवस्था और ज्ञान के बल पर विश्व में सम्मान मिलता है। भारत का अर्थ है कि जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में लीन हो। इसी प्रकार गुरु भी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। भारतीय संस्कृति जियो और जीने दो, वसुधैब कुटुम्बकम की संस्कृति है। भारतीय गुरूकुल परंपरा और शिक्षा व्यवस्था का गौरवशाली इतिहास रहा है। भारत के अलावा दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जो आर्थिक रूप से ज्यादा शक्तिशाली हैं, लेकिन सिर्फ धन से देश नहीं चलता है। देश जीवन मूल्यों और संस्कारों के साथ आगे बढ़ता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे सांदीपनि विद्यालय इस वक्त देश के सबसे अच्छे विद्यालय हैं। अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस कमला नेहरू स्कूल की 58 छात्राएं मेरिट में उत्तीर्ण हुई हैं। आज निजी विद्यालयों के बच्चे भी सांदीपनि विद्यालयों में आने के लिए लालायित हैं। बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, सेना में अफसर बनें। विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की आवश्यकता है। अगर देश के लोकतंत्र को जीवित रखना है तो राजनीति में भी आने पड़ेगा। युवा शिक्षित होकर कृषि, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से आगे बढ़ें। देश और प्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएं। राज्य सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं तैयार की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की नई शिक्षा यात्रा के बारे में सरकार के प्रयासों की जानकारी भी बालिकाओं को दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय केवल एक स्कूल नहीं, यह विद्यार्थियों भविष्य गढ़ने की प्रयोगशालाएं हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में पहले चरण में स्कूल शिक्षा विभाग के 274 सांदीपनि विद्यालय और जनजातीय कार्य विभाग के 94 सांदीपनि विद्यालय सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। दूसरे चरण में प्रदेश में स्कूल शिक्षा के 200 नए सांदीपनि विद्यालय और जनजातीय कार्य विभाग के 205 नए सांदीपनि विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन लाकर हम सब एक नया मध्यप्रदेश और नया भारत गढ़ने जा रहे हैं।

बाल कैबिनेट की दी जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय की छात्राओं ने विद्यालय में संचालित बाल कैबिनेट की जानकारी दी। बाल कैबिनेट में यहां की छात्राएं स्पोर्ट्स मिनिस्टर, कल्चरल मिनिस्टर, डिसीप्लिन मिनिस्टर जैसे दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं से बाल कैबिनेट की मीटिंग्स, कार्यकाल की अवधि, चयन प्रक्रिया और व्यवस्थाओं के संचालन के बारे में भी चर्चा की।

छात्राओं से आत्मीय संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं से पूछा- ‘किताब से कल तक’ विषय का क्या अर्थ है। इस पर छात्रा कुमारी एकता राजौरिया ने बताया कि ‘किताब से कल तक’ का अर्थ यह है कि आज बच्चे जो कुछ पढ़ रहे हैं, उसका जीवन में क्या महत्व है। आज हम जो पढ़ रहे हैं, वहीं भविष्य को साकार बनाएगा।

प्र. छात्रा प्रिंसी वर्मा - माननीय क्या आप चैट-जीपीटी का प्रयोग करते हैं, यदि हां तो क्या सर्च करते हैं ?

उ. मुख्यमंत्री डॉ. यादव- मैं किसी कार्यक्रम के विषय पर वर्तमान परिदृश्य में क्या नई चीजें हैं, उन्हें सर्च करता हूं। जो हमें अपने भाषण में शामिल करना चाहिए। लेकिन चैट-जीपीटी हो या ग्रोक्स, जिसने भी एआई टूल्स हों, ये आखिरी नहीं है। एआई का उपयोग करें, लेकिन स्वयं का दिमाग भी लगाएं और आंकड़ों को क्रॉस चेक जरूर करें।

प्र. छात्रा लारा खत्री- क्या आप इंस्टाग्राम यूज करते हैं और किसे फॉलो करते हैं

उ. मुख्यमंत्री डॉ. यादव- सोशल मीडिया के जमाने में हर राजनेता को वर्तमान जरूरतों के साथ चलना पड़ता है। इंस्टाग्राम भी हमें इस्तेमाल करना पड़ता है। मैं पीएम सर को फॉलो करता हूं।

प्र. छात्रा एकता राजौरिया- सिलेबस के साथ और कौन सी पुस्तकें पढ़ें, जो हमारे सामान्य ज्ञान को बढ़ाएं ?

उ. मुख्यमंत्री डॉ. यादव- पाठ्यक्रम की पढ़ाई के अलावा हमें अपने जीवन का लक्ष्य तय करके आगे बढ़ना चाहिए। टारगेट से जुड़े विषयों के अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए। ईश्वर ने हमें विशेष गुण दिया है कि जो जैसा सोचता है, वैसा बन जाता है। मैंने नौकरी नहीं की, खेती की और व्यवसाय किया। बेटी को डॉक्टर बनाया। आप भी अपने छोटे भाई-बहनों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

प्र. छात्रा आयोध्या- आपने डॉक्टरेट (पीएचडी) तक की पढ़ाई की और खेल विधा में पारंगत होने के लिए कैसे बैलेंस किया ?

उ. मुख्यमंत्री डॉ. यादव- विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के लिए भी समय निकालें। अपनी दिनभर की दिनचर्या निर्धारित करें। इसमें खेलकूद के लिए भी टाइम दें। सोच-विचार के लिए थोड़ा खाली समय भी निकालें। मैं सीएम हाउस में रहते हुए भी नियमित स्वाध्याय करता हूं। डायरी लिखता हूं और आगे करने वाले कार्यों की लिस्ट बनाता हूं। पिछले कार्यों का मूल्यांकन भी करता हूं। जब मैं उज्जैन विकास प्राधिकरण का चेयरमैन बन गया, तब भी राजनीति शास्त्र में एमए किया। उसके बाद इसी विषय में पीएचडी भी कर ली। मैंने पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन रखते एमबीए भी किया। जीवन में पढ़ाई का दौर चलते रहना चाहिए। पढ़ने के लिए सिर्फ डिग्री जरूरी नहीं है, बल्कि यह मन की जिज्ञासा को शांत करने के लिए होनी चाहिए। अध्ययन के लिए जीवन में अनुशासन की भी आवश्यकता होती है। लोगों के सामने अपने ज्ञान के प्रदर्शन का तरीका भी आपके व्यक्तित्व को निखारता है।

शिक्षकों से भी किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय परिसर में ही प्रदेशभर से आए शिक्षकों से भी आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली शिक्षान्मुखी होने के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी भी होनी चाहिए। हमारे विद्यार्थी पढ़-लिखकर उन्नत खेती करें, राजनीति में आएं, सैनिक बनकर देश सेवा करें। व्यवसाय शुरू कर स्वावलंबी बनें, दूसरों को भी रोजगार प्रदान करें, इन सभी कार्यों के लिए शिक्षक वृंद विद्यार्थियों को प्रेरित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षकों से विज्ञान के रहस्यों और पारिवारिक जीवन से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यत पिंडे तत् ब्रह्मांडे, जैसा हमारा शरीर है, वैसा ही ब्रह्मांड है। व्यक्ति को प्रत्येक सांस के साथ जीवन मिलता है। हमारा पिंड हर पल बदलता है। उज्जैन में स्थित वेधशाला पर तो परछाई भी साथ छोड़ देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थी साल-दर-साल बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते जा रहे हैं। इससे हमारे सामने भविष्य की चुनौती तैयार हो रही है कि हम अपने सांदीपनि में कितने बच्चों को प्रवेश दे पाएंगे। इसलिए हमें दूसरे प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के बीच भी संवाद बनाए रखना होगा। इसके लिए सांदीपनि विद्यालयों को नवोदय विद्यालय की तर्ज पर संचालित करने पर विचार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान एक शिक्षिका ने बताया कि सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय में कक्षाओं की शुरुआत आत्मीयता के साथ खुशनुमा माहौल में होती है। बच्चों का समूह बनाकर उनसे तरह-तरह की एक्टिविटीज कराई जाती है। शिक्षकों के प्रयास से सभी विद्यालयों में पढ़ाई के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है। स्कूल टीचर सुश्री शिवानी शर्मा ने वर्ष 1958 में स्थापित कमला नेहरू कन्या शासकीय विद्यालय को मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप सांदीपनि विद्यालय के रूप में स्थापित होने के सफर की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को दिलवाया विकसित मध्यप्रदेश का संकल्प

विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस, बालगंगाधर तिलक, भगत सिंह और महात्मा गांधी के त्याग और उनके सपनों का उल्लेख कर विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाँ कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसे पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी युवा एवं विद्याथियों की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब आप में से अधिकांश युवा होंगे। कोई इंजीनियर, कोई डॉक्टर, कोई किसान तो कोई अफसर या सैनिक होगा। उस समय इतिहास आपसे पूछेगा कि भारत को विकसित बनाने में अपका क्या योगदान है। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी - कल का भारत है।

व्यवस्थित ग्रामीण विकास और जनकल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायतों को सशक्त बनाना आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों के विकास तथा बेहतर प्रबंधन के लिए कार्य योजना बनाने के दिये निर्देश, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यवस्थित ग्रामीण विकास और जनकल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायतों को सशक्त बनाना आवश्यक है। शहरी एवं बड़ी ग्राम पंचायतों के विकास तथा बेहतर प्रबंधन के लिए कार्य योजना बनाई जाए। नगरों के निकट विद्यमान पंचायतों के प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जाये ताकि आसपास के क्षेत्र में सड़कें व अन्य अधोसंरचना व्यवस्थित रूप से विकसित हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान और अधिक व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, वीबी जी राम जी योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, विभाग की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गौपालकों को प्रोत्साहित किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। अतः मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत घरों में गौपालन को भी प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही गो-समितियों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि कई जिला पंचायत और जनपद पंचायत भवनों का निर्माण आकर्षक और प्रभावी तरीके से किया गया है, जो पंचायत राज संस्थाओं के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़े और बेहतर कार्य कर रहे स्व-सहायता समूहों को लघु उद्योगों तथा एमएसएमई गतिविधियों से जोड़ा जाए।

ड्रोन से हो रहा ग्रामीण सड़कों की स्थिति का आंकलन

बैठक में बताया गया कि ग्रामीण सड़क विकास के अंतर्गत गुणवत्ता नियंत्रण, संधारण में प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अधिकतम लंबाई की पूर्णता के लिए भी मध्यप्रदेश, पूरे देश में प्रथम रहा। प्रदेश में ड्रोन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण सड़कों की संधारण स्थिति के आंकलन का नवाचार जारी है। वीबी जी राम जी योजना के अंतर्गत प्रदेश में एक लाख 24 हजार कार्यों पर 2 लाख 62 हजार मजदूर दैनिक रूप से कार्यरत हैं। मजदूरों को 18 करोड़ 20 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ‘मन की बात’ कार्यक्रम में प्रदेश के जल संरक्षण कार्यों की सराहना की। उन्होंने सीधी में बने 1500 तालाबों और नरसिंहपुर के अमृत सरोवरों को अनुकरणीय बताया। बैठक में बताया गया कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अंतर्गत प्रदेश में हिन्दी में एसओआर लागू किया गया है, जिससे पंचायत प्रतिनिधियों की तकनीकी दक्षता बढ़ी है।

10 हजार 554 ग्राम पंचायतों में आरंभ हुई ऑनलाईन सेवाएं

बैठक में जानकारी दी गई कि सभी 208 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में वृंदावन ग्राम का चयन किया जा चुका है। तैंतीस जिलों के 135 ग्राम की पंचवर्षीय कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं। ग्रामीणों को 10 हजार 554 ग्राम पंचायत भवनों में ऑनलाईन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिससे 53 हजार 813 भवन अनुज्ञा जारी की गई और टैक्स तथा फीस के रूप में 3 करोड़ 81 लाख रूपए का भुगतान ऑनलाईन प्राप्त किया गया। सोलर विलेज के पॉयलट प्रोजेक्ट के रूप में जनपद पंचायत उज्जैन की सभी 76 ग्राम पंचायतों में गतिविधियां जारी हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत दिसम्बर 2023 से वर्तमान तक प्रदेश में 19 हजार 440 करोड़ रूपए लागत के 16 लाख 20 हजार से अधिक आवास स्वीकृत हुए, जिनमें से 8 लाख 19 हजार आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। इसी प्रकार पीएम जनमन आवास योजना में दिसम्बर 2023 से स्वीकृत 1.89 लाख आवासों में से एक लाख 48 हजार आवास पूर्ण कर लिए गए हैं।

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाए जाने की सातवीं बरसी पर भाजपा ने मनाया जश्न

- नेकां ने राज्य दर्जे की बहाली की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

जम्मू, 05 अगस्त (हि.स.)। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाए जाने की आज सातवीं बरसी थी। इसके मद्देनजर घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जबकि जम्मू में भी हाई अलर्ट रहा। पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया जबकि सुरक्षा कारणों से अमरनाथ यात्रियों के जत्थों की आवाजाही भी रोक दी गई। साथ ही, राज्य में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए।

जहां प्रदेश भाजपा ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किए जाने की सातवीं वर्षगांठ मनाई। वहीं, नेशनल कांफ्रेंस एवं अन्य पाटियों ने इसका विरोध करते हुए जम्मू-कश्मीर को पुनः राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए विरोध प्रदर्शन किए।

भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में हुई बैठक में कहा गया कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए निरस्त करना जम्मू और कश्मीर के लिए एकता, समानता और विकास के एक नए युग की शुरुआत है।

भाजपा के जम्मू कश्मीर के प्रवक्ताओं की जम्मू स्थित मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय ने भारत की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। साथ ही जम्मू और कश्मीर का शेष देश के साथ पूर्ण संवैधानिक और विकासात्मक एकीकरण सुनिश्चित किया है। बैठक में याद दिलाया गया कि भाजपा दशकों से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने की वकालत करती रही है और यह निर्णय एक राष्ट्र, एक संविधान के सिद्धांत और जम्मू कश्मीर के सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों और अवसरों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।प्रवक्ता ने पिछले छह वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश में हुए सकारात्मक बदलावों पर भी प्रकाश डाला जिनमें त्वरित अवसंरचना विकास, पारदर्शी शासन, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं, बेहतर जन कल्याण और केंद्रीय कानूनों एवं कल्याणकारी योजनाओं का समाज के सभी वर्गों तक विस्तार शामिल है। उन्होंने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय नेतृत्व को राष्ट्रीय हित में लिए गए इस साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। श्रीनगर के जवाहर नगर स्थित पार्टी कार्यालय में जम्मू कश्मीर भाजपा के महासचिव संगठन अशोक कौल ने इस अवसर पर केक काटा। पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने पंथा चौक से लाल चौक तक बाइक रैली निकालने की योजना बनाई थी लेकिन पुलिस ने उन्हें लाल चौक की ओर जाने से रोक दिया।

पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा युवा नेता और पूर्व डीडीसी सदस्य एजाज हुसैन ने कहा कि 5 अगस्त को जम्मू कश्मीर का देश में पूर्ण एकीकरण हुआ था। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तिरंगा रैली निकाली। तिरंगा लिए और देशभक्ति के नारे लगाते हुए सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने जुलूस में भाग लिया।

प्रधानमंत्री के वीडियो पर मेटा ने मांगी माफी, सरकार ने खुद से कंटेंट परोसने को लेकर दी हिदायत

नई दिल्ली, 05 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो हटाए जाने और बाल यौन शोषण एवं दुरुपयोग सामग्री (सीएसएएम) से जुड़े कथित विज्ञापनों के मामले में मेटा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए सरकार से माफी मांगी है। सूत्रों के अनुसार मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने सीएसएएम, डीपफेक सामग्री और मंच के संचालन में हुई त्रुटियों पर खेद व्यक्त किया है।

सूत्रों ने बताया कि मेटा ने स्वीकार किया कि कुछ खास तरह की सामग्री को बढ़ावा देने के लिए काफी पैसा दिया गया था। वहीं, सरकार ने कंपनी को स्पष्ट किया है कि अगर मेटा तय करेगा कि कौन-सा कंटेंट किसे दिखाया जाएगा, तो उसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत केवल ‘मध्यस्थ’ (इंटरमीडियरी) के तौर पर मिलने वाला संरक्षण समाप्त हो जाएगा।

मेटा के मुख्य वैश्विक मामलों के अधिकारी जोएल कैपलन के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की।

किसानों के खेतों से लेकर उनके खातों तक का ध्यान रख रही हैः राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कवच योजना से दूर होगी किसानों की चिंता

किसानों से संवाद का उत्सव है बलराम कृषि महोत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदापुरम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषक कल्याण वर्ष में किसान हितैषी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ घर-घर तक पहुंचा रही है। हमारी सरकार ने किसानों के खेतों से लेकर उनके खातों तक का ध्यान रखा है। किसानों के खेतों में पानी, बिजली, खाद-बीज, कृषि यंत्र पहुंचाने के साथ-साथ उनके खातों में फसल बीमा, सम्मान निधि और ब्याज मुक्त ऋण की राशि तक पहुंचाई है। पिछली कैबिनेट में राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कवच योजना को मंजूरी दी है। कवच योजना से ऐसे किसानों की चिंता दूर होगी, जिनके सहकारी खातों में पुरानी गड़बड़ियों और जांच में देरी के कारण उन्हें नया ऋण और सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब ऐसे किसानों को मुख्य धारा में लाकर नया कृषि ऋण और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव बुधवार को नर्मदापुरम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मंत्रालय भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

सरसों और धान उर्पाजन में भी मिलेगा भावांतर का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों के साथ संवाद का उत्सव है। अब तक 20 जिलों के 10 ऐसे आयोजन किए जा चुके हैं। नर्मदापुरम में यह 11वां बलराम कृषि महोत्सव है। खेत में दाना बोने से लेकर बाजार में दाम दिलवाने तक सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। गेहूं उत्पादक किसानों की चिंता हमने एमएसपी और बोनस के साथ रिकॉर्ड 104 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीद कर दूर की। सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर योजना ने दूर की। अब सरसों और धान को भी भावांतर योजना में शामिल किया है। पहली बार श्रीअन्न कोदो-कुटकी की एमएसपी पर खरीदी हुई और किसानों को बोनस भी मिला है। इसके साथ ही किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए पात्र किसानों से मूंग उपार्जन की सीमा 25 प्रतिशत से बढाकर 60 प्रतिशत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आय बढ़ाने के लिए किसानों को फसल विविधीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन, मत्स्य पालन वर्तमान समय की मांग है, राज्य सरकार इन क्षेत्रों में हर संभव प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए दुग्ध समितियों का गठन किया है। राज्य सरकार ने यह पूरा वर्ष किसान कल्याण को समर्पित किया है।

फलों के बाग और नर्सरी संचालन पर मिल रहा है अनुदान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अब 6-6 महीने के स्थान पर एक साल में खातों को पटलने की व्यवस्था लागू की है। खाते क्लियर करने के लिए 31 मार्च तक की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया है। अब किसान भाई जब पैसा हो, खाते में जमा कर सकते हैं।

कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के साथ-साथ आधुनिक खेती, प्राकृतिक खेती और कृषि यंत्रों का विस्तार कर रही है। किसानों को कृषि से आय बढ़ाने का रोडमैप बताया जा रहा है। नर्मदापुरम जिले में उद्यानिकी फसलों आम, अमरूद, संतरा, अनार, नींबू और केला को लेकर आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। फलों के बाग और नर्सरी स्थापित करने के लिए सरकार अनुदान दे रही है। किसानों को पॉलीहाउस और सेडनेट हाउस स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एक बगिया मां के नाम योजना से जरिए लाभ दिया जा रहा है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने पर किसानों को 50 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

रेशम नगरी के रूप में प्रसिद्ध है नर्मदापुरम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदापुरम रेशम नगरी के रूप में भी प्रसिद्ध है। यहां उच्च गुणवत्ता का रेशम, शरबती गेहूं और बासमती चावल जिले की पहचान बन चुका है। यहां स्थित बाबई-मोहासा औद्योगिक क्षेत्र सबसे तेज गति से विकसित हो रहा है। कटनी के पास लॉजिस्टिक्स पार्क बनेगा। पिपरिया और पचमढ़ी में स्थानीय रहवासियों के लिए कठिनाइयों का समाधान सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसान कल्याण को समर्पित है। कृषि वर्ष में किसानों के कल्याण के लिए गतिविधियां लगातार चलती रहेंगी। इस अवसर पर सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।